@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 10 मार्च 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 124 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बजट वेबिनार में पीएम मोदी बोले-

शिक्षा को रोजगार और उद्यम से जोड़ना समय की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बजट-पश्चात वेबिनार श्रृंखला के चौथे सत्र को संबोधित किया। इस वेबिनार की थीम 'सबका साथ, सबका विकास - जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति' रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के बजट का मूल उद्देश्य देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करना है और सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने वेबिनार में शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों को देश के समग्र विकास का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं से बजट में की गई घोषणाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, 'जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति मात्र एक विषय नहीं है, यह इस बजट का मूल उद्देश्य और इस सरकार का संकल्प है।' प्रधानमंत्री ने निवारक और समग्र स्वास्थ्य की परिकल्पना पर जोर देते हुए

स्वास्थ्य अवसंरचना के तेजी से सुदृढ़ीकरण और योग एवं आयुर्वेद की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार हुआ है। पीएम मोदी ने विशेष रूप से उभरती 'देखभाल अर्थव्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर देखभालकर्ताओं की बढ़ती मांग की ओर ध्यान आकर्षित किया और विशेषज्ञों से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। पीएम ने कहा, 'मैं इस वेबिनार में उपस्थित स्वास्थ्य सेक्टर के विशेषज्ञों से नए प्रशिक्षण मॉडल और साझेदारियों को विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह करूंगा ताकि देश में प्रशिक्षण व्यवस्था और भी मजबूत हो सके।' डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में टेलीमेडिसिन की बढ़ती भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इससे दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संभव हुआ है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में जनजागरूकता बढ़ाने और इसे और सरल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि अभी टेलीमेडिसिन के बारे में जागरूकता और इसके उपयोग को सरल बनाने की आवश्यकता है।' प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं की विकसित होती सोच को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए इसकी सराहना की और इस भावना के अनुरूप शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम मोदी ने रेखांकित किया कि देश में शिक्षा को रोजगार और उद्यम से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

डिफेंस कॉलेज पहुंचे आर्मी चीफ

तीनों सेनाओं की संयुक्ता पर की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना आधुनिक और भविष्य के युद्धक्षेत्र की तैयारियों के मद्देनजर कई बड़े और महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इनमें से एक पहल तीनों सेनाओं यानी वायुसेना, नौसेना और थलसेना की संयुक्तता (थियेटरीकरण) को मजबूत करना है। भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को इस पहल का जिक्र किया। इसके अलावा उन्होंने सैन्य कूटनीति व सेना की तैयारियों से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने रक्षा मंत्रालय के सुरक्षा निर्देशों की एक नई नियमावली जारी की है। मंत्रालय के मुताबिक, यह नियमावली सुरक्षा दिशा-निर्देशों का विस्तृत दस्तावेज है। रक्षा सचिव ने सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों से इनके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

रक्षा सचिव के मुताबिक, नई नियमावली मंत्रालय के भीतर एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में सहायक होगी। उधर, थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन के दौरे पर थे। इस दौरान

उन्होंने कॉलेज में अध्ययन कर रहे अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद किया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय थलसेना में चल रहे व्यापक परिवर्तन, भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारियों और सुरक्षा परिवेश में आ रहे बदलावों पर विस्तार से अपने विचार रखे।सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय थलसेना आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को ध्यान में रखते हुए लगातार अपने ढांचे, क्षमताओं और कार्यप्रणाली में सुधार कर रही है। उन्होंने बताया कि सेना को आधुनिक और भविष्य के युद्धक्षेत्र के अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से तीनों सेनाओं के संयुक्त संचालन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चल रही थियेटरीकरण प्रक्रिया की प्रगति का भी उल्लेख किया। सेना प्रमुख ने कहा कि बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल में सैन्य कूटनीति का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि इसी को ध्यान में रखते हुए मित्र देशों के साथ सैन्य सहयोग, संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाया जा रहा है। इससे न केवल आपसी विश्वास मजबूत होता है बल्कि विभिन्न सेनाओं के बीच अनुभव और रणनीतिक समझ का आदान-प्रदान भी संभव होता है।

दरअसल, भारतीय थलसेना अपनी संगठनात्मक संरचना, सैन्य क्षमताओं और सैन्य सिद्धांतों में लगातार नए बदलाव कर रही है ताकि भविष्य में उभरने वाली सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

तेलंगाना से कांग्रेस के दो उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

हैदराबाद। तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटों के लिए कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को हैदराबाद में चुनाव आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने की। रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ कोई अन्य वैध उम्मीदवार मैदान में नहीं होने के कारण दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित होने से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जल्द ही दोनों नेताओं को सौंप दिए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्यसभा के कुछ सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होने वाला है। इसी को लेकर केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया था। मधुमेह का दुश्मन खोज लिया गया है। शुगर 4 तक कम हो जाती है।

तेलंगाना से कांग्रेस के दो उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटों के लिए कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को हैदराबाद में चुनाव आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने की। रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ कोई अन्य वैध उम्मीदवार मैदान में नहीं होने के कारण दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित होने से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जल्द ही दोनों नेताओं को सौंप दिए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्यसभा के कुछ सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होने वाला है। इसी को लेकर केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया था। देश के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और लंबे समय से कांग्रेस के प्रमुख कानूनी रणनीतिकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें एक बार फिर तेलंगाना से राज्यसभा भेजा गया है। वहीं दूसरी सीट से निर्वाचित वेम नरेंद्र रेड्डी तेलंगाना कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं और राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी सहयोगियों में माने जाते हैं। इस चुनाव में साई नामक एक व्यक्ति ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था, लेकिन शुक्रवार को उनका नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया।

'आप' सरकार ने 4 सालों में हर चुनावी गारंटी पूरी की है, हम मेनिफेस्टो को पवित्र दस्तावेज मानते हैं: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 9 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि महिलाओं के लिए प्रति माह 1,000 रुपये की घोषणा पर विपक्षी पार्टियों द्वारा दिखाई जा रही निराशा स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि साल 2027 में आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब में सत्ता वापसी का डर है। पंजाब विधानसभा को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि जहां शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियों ने अपने चुनावी वादों को नजरअंदाज करके लोगों के साथ बार-बार धोखा किया है, वहीं आप सरकार ने अपने मेनिफेस्टो को पवित्र दस्तावेज माना है और सिर्फ चार सालों में आम लोगों के लिए हर गारंटी पूरी की है। 'मुख्यमंत्री मांवा-धीयां सत्कार योजना', मुफ्त बिजली, मुफ्त बस यात्रा, 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य योजना के तहत मुफ्त इलाज, 63,943 युवाओं की पारदर्शी भर्ती और बुनियादी ढांचे व उद्योग में बड़े निवेश जैसी पहलों का जिक्र करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब विकास के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और आने वाले सालों में विकास की गति और तेज होगी। तलवंडी साबो से विधायक प्रोफेसर बलजिंदर कौर द्वारा राज्यपाल के भाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस को समेटते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, वह समय भी था जब चुनाव मेनिफेस्टो को कोई पढ़ता तक नहीं था क्योंकि पारंपरिक पार्टियां चुनाव से कुछ दिन पहले मेनिफेस्टो जारी करके खानापूर्ति करती थीं। पारंपरिक पार्टियों के चुनाव मेनिफेस्टो में धर्म-जाति की बात होती थी, लेकिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐतिहासिक पहल करते हुए आम लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा को चुनाव मेनिफेस्टो का हिस्सा बनाया। पारंपरिक पार्टियों को भी अपने चुनाव मेनिफेस्टो में स्वास्थ्य-शिक्षा के क्षेत्रों को शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके लिए वे अरविंद

केजरीवाल के आभारी हैं। चार सालों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे परमात्मा के आभारी हैं जिन्होंने उन्हें राज्य की सेवा करने की शक्ति दी है। 'मुख्यमंत्री मांवा-धीयां सत्कार योजना' की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना की घोषणा के बाद राज्य में खासकर महिलाओं में खुशी की लहर चल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सामान्य वर्ग की 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये और एस.सी. वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों खासकर गरीबों की जिंदगी में 1000-1500 रुपये की बहुत बड़ी अहमियत होती है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह राशि मां-बेटियों के लिए सम्मान है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना से महिलाओं के चेहरों की खुशी उनके मन को सुकून देती है। उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल से इस योजना का रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। पंजाब के हर परिवार के लिए पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के लिए 'मेरी रसोई' योजना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से परिवार अच्छा भोजन न मिलने से पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पत्रकार रीना स्लाथिया ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा सम्मानित

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता), 8 मार्च- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जम्मू की पत्रकार रीना स्लाथिया को महिलाओं के उत्थान और समाज की निरंतर सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा प्रशंसा प्रमाण-पत्र (Certificate of Appreciation) प्रदान किया गया। यह प्रशंसा प्रमाण-पत्र रीना के उस समर्पित कार्य के सम्मान और सराहना के रूप में दिया गया, जिसके माध्यम से उन्होंने सामाजिक मुद्दों, विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण और जनकल्याण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया है। अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता और जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से उन्होंने लगातार महिलाओं और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाने का कार्य किया है। ज्यूडिशियल काउंसिल ने इस बात को स्वीकार किया कि पत्रकार समाज में जनजागरूकता बढ़ाने और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रीना के कार्य की विशेष रूप से सराहना की गई क्योंकि उन्होंने महिलाओं की आवाज़ को सामने लाने और उन मुद्दों को उठाने का प्रयास किया है जिन्हें अक्सर समाज में नजरअंदाज कर

दिया जाता है। महिलाओं के अधिकार, समानता और सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों को कवर करके उन्होंने जागरूकता फैलाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने रीना को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर बधाई दी और पत्रकारिता तथा सामाजिक सेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर रीना जैसी महिलाओं को सम्मानित करना उन व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देने का एक सार्थक तरीका है, जो समाज में महिलाओं की प्रगति और सशक्तिकरण के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। राजीव अग्निहोत्री ने कहा,पत्रकार जनता और शासन संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। सच्चाई और तथ्यों को सामने लाने में उनकी भूमिका लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करती है और समाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। जिम्मेदार पत्रकारिता समाज को न्याय, समानता और जागरूकता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक होती है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के उत्थान से जुड़े मुद्दों को उठाने के प्रति रीना की प्रतिबद्धता उनके सामाजिक कल्याण और न्याय के प्रति गहरे समर्पण को दर्शाती है।

शेष पृष्ठ 3 पर

लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्ष को जगदंबिका पाल ने आड़े हाथों लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामा के चलते कल (मंगलवार) तक के लिए स्थगित की गई है। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्षी दल के सदस्यों को समझाया और विपक्षी दलों के सांसदों को आड़े हाथों लिया। विपक्ष दलों के सांसदों ने अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग पर आज जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा।

सरकार ने कहा कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं। लेकिन विपक्ष पश्चिम एशिया में बने हालातों पर चर्चा की मांग कर रहा था, जिस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सदन में विस्तार से जबाव दिया। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्ष के इस व्यवहार से नराजगी जताते हुए कहा कि सदन चलाने में डेढ़ करोड़ रुपये प्रति घंटा खर्च होता है। एक-एक मिनट का ढाई लाख रुपया खर्च होता है। एक दिन में 9 करोड़ रुपये खर्च होता है। अपने गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण विपक्ष एक दिन का 9 करोड़ रुपये बर्बाद कर रहा है, ये जनता का पैसा है। जगदंबिका पाल ने कहा कि देश देख रहा है कि सरकार सदन चलाना चाहती है, लेकिन आप नहीं चलाना चाहते। ये गैर-जिम्मेदाराना आचरण है, अपरिपक्व व्यवहार है।

पीठासीन : जगदंबिका पाल

● **पीठासीन अध्यक्ष पाल ने इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे सदस्यों को समझाया, लेकिन व्यवधान जारी रहने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।**

भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र में हजारों फर्जी मतदाताओं के नाम: दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल किए जाने का गंभीर आरोप लगाते हुए प्रमाण सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्य प्रदेश को ज्ञापन सौंपा और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। दिग्विजय सिंह ने ज्ञापन में कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध करना है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर 100 प्रतिशत भौतिक सत्यापन किया जाना होता है, ताकि मृत अथवा प्रवासी व्यक्तियों के नाम हटाए जा सकें और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जा सकें। लेकिन नरेला विधानसभा क्षेत्र में इस प्रक्रिया की मंशा के विपरीत बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े जाने के प्रमाण सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नरेला विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला ने मतदाता सूची की जमीनी स्तर पर जांच कर यह पाया कि 21 फरवरी 2026 को जारी अंतिम मतदाता सूची में कई ऐसे मतदाताओं के नाम दर्ज कर दिए गए हैं जो संबंधित पते पर निवास ही नहीं करते। इस संबंध में जिन मकान मालिकों के पते पर फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं, उनमें रतन कॉलोनी, करोंद, भोपाल के निवासी पोखनलाल साहू (मकान नंबर 2), कमलेंद्र कुमार गुप्ता (मकान नंबर 10), और हमीर सिंह यादव (मकान नंबर 21) शामिल हैं।

लोकहितैषी और प्रगतिशील बजट से सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी होगी और मजबूत: हरदीप सिंह मुंडियां

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 9 मार्च। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन तथा जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा द्वारा प्रस्तुत बजट को प्रगतिशील, दूरदर्शी और जनहितैषी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बजट में किए गए प्रावधानों से जहां पीने के पानी के बुनियादी ढांचे को और मज़बूती मिलेगी, वहीं पूरे राज्य में पारदर्शी शासन को भी बढ़ावा मिलेगा। जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग की पहलों का उल्लेख करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1487 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव रखा गया है ताकि पंजाब भर में लोगों की स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच को और बेहतर बनाया जा सके तथा स्वच्छता सेवाओं में सुधार किया जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार 11 बड़े नहरी जल परियोजनाओं को पूरा एवं चालू करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि 1230 गुणवत्ता-प्रभावित और पानी की कमी वाले गांवों को साफ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं लंबे समय से चली आ रही पानी की गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का समाधान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि 125 पानी की कमी से प्रभावित बस्तियों में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुधार कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और दूषित पानी की गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए 88 यूरेनियम-प्रभावित क्षेत्रों में नए जल परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सरकार नल जल मित्र अभियान भी शुरू करेगी, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक प्रशिक्षित व्यक्ति ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव में सहयोग करेगा। इससे सामुदायिक भागीदारी मज़बूत होगी और स्वच्छ पानी की उपलब्धता में भी सुधार होगा। राजस्व और पुनर्वास विभाग से संबंधित बजट प्रस्तावों का स्वागत करते हुए मंत्री ने कहा कि साहिब श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस की स्मृति में श्री आनंदपुर साहिब में एक नया प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स स्थापित करने का निर्णय राज्य सरकार की सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि इस कॉम्प्लेक्स को पारंपरिक विरासत शैली में डिज़ाइन किया जाएगा, जिससे प्रमुख सरकारी कार्यालयों को एक ही परिसर में लाया जा सकेगा और प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाया जा सकेगा। साथ ही पवित्र शहर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखते हुए सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। राजस्व विभाग की अन्य पहलों के बारे में जानकारी देते हुए हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि सरकार ने भूमि और संपत्ति से जुड़ी सेवाओं को पारदर्शी, तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है, जहां ईज़ी जमाबंदी पहल शुरू की गई है। इसके तहत लोग ऑनलाइन पोर्टल या व्हाट्सऐप के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं, इंतकाल के लिए आवेदन कर सकते हैं, रपट एंट्री से संबंधित अनुरोध कर सकते हैं और फर्द बदर सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। इस सुविधा के तहत सेवा सहायकों द्वारा लोगों को उनके घरों पर ही सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। मंत्री ने आगे कहा कि ईज़ी रजिस्ट्री परियोजना के तहत डीड फॉर्मेट को सरल बनाया गया है, किसी भी ज़िले में कहीं भी रजिस्ट्री करवाने की सुविधा प्रदान की गई है और लोगों को रियल-टाइम अपडेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और रजिस्ट्री प्रक्रिया को काफ़ी सरल बनाया गया है। इस पहल के तहत अब तक 6.17 लाख दस्तावेज़ पंजीकृत किए जा चुके हैं, जो इस सुधारात्मक प्रयास की व्यापक स्वीकृति को दर्शाता है और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शेष पृष्ठ 3 पर

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला

चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशहत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध

रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उडने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उडने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद

ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। शनिवार को निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल 2017 में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत

तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।

'आप' सरकार ने 4 सालों में हर चुनावी गारंटी पूरी की है, हम मेनिफेस्टो को पवित्र दस्तावेज मानते हैं: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि 'मेरी रसोई' योजना के तहत 40 लाख परिवारों को राशन में चीनी, दाल, सरसों का तेल, नमक मिलेगा। इस योजना के लिए 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। चार सालों में स्वास्थ्य क्रांति के तहत किए गए प्रयासों के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि 881 आम आदमी क्लीनिकों में लोगों का भरोसा बढ़ रहा है और क्लीनिकों की ओ.पी.डी. में आने वालों की संख्या 5 करोड़ से पार हो चुकी है जो अपने आप में रिकॉर्ड है। हर परिवार को मुफ्त इलाज देने के लिए 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' लागू की गई है और यह देश की पहली ऐसी योजना है जिसमें हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सरकारी और प्राइवेट 900 अस्पताल सूचीबद्ध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अस्पतालों की जानकारी देने के लिए सभी आम आदमी क्लीनिकों में सूची लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, कनाडा जैसे विकसित देशों में भी इलाज के लिए स्वास्थ्य बीमा की किस्त भरनी पड़ती है लेकिन पंजाब में सारा इलाज मुफ्त दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लहिरागागा, संगरूर, मलेरकोटला, होशियारपुर और कपूरथला में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि साल 2022 से सरकारी अस्पतालों के लिए 934 डॉक्टरों की रिकॉर्ड भर्ती की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगशाला की सफलता का भी जिक्र किया। शिक्षा क्षेत्र में किए गए सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेहतर शिक्षा देने के लिए 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंसिपलों और शिक्षकों को फिनलैंड, सिंगापुर और आई.आई.एम. अहमदाबाद में ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है। साल 2022 से अब तक 13,765 शिक्षकों की भर्ती हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सभी पंजाबियों के लिए गर्व की बात है कि नेशनल अचीवमेंट सर्वे-2024 में पंजाब ने सर्वोत्तम स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) का है और सरकार ए.आई. के बारे में बच्चों को जानकारी देने के लिए शिक्षकों को विश्व स्तर की ट्रेनिंग दे रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पहली बार खेतों के लिए दिन में बिजली मिलने लगी है जिससे किसानों का जीवन ही बदल गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को देश में सबसे ज्यादा गन्ने का भाव दिया जा रहा है और इस समय 416 रुपये प्रति क्विंटल भाव मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मालवा की जीवनधारा समझी जाने वाली फिरोजपुर फीडर नहर का नवीनीकरण किया गया और देश की आजादी के बाद पहली बार नई मालवा नहर बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को किताबों से जोड़ने के लिए गांवों में लाइब्रेरी बनाई जा रही हैं। गांवों में 3200 खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। पारदर्शी रोजगार मुहिम का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब तक राज्य के युवाओं को 63,943 सरकारी नौकरियां दी गई हैं और यह सारी भर्ती बिना किसी सिफारिश और रिश्वत के की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में वह समय था जब आम घरों के युवा सरकारी नौकरी के लिए धक्के खाते थे क्योंकि उस समय 'अटैची कल्चर' चलता था जिससे धनाढ्य लोग रिश्वत देकर नौकरियां ले जाते थे। उन्होंने कहा कि लुधियाना में 3200 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित देश के दूसरे सबसे बड़े टाटा स्टील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन 20 मार्च को किया जा रहा है जिससे सीधे तौर पर 4000 युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगिक निवेश के लिए दुनिया भर के उद्योगपतियों को आकर्षित करने के लिए 13-15 मार्च तक मोहाली में पंजाब प्रोग्रेसिव इन्वेस्टमेंट सम्मेलन करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों के औद्योगिक दौरे का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जापान की कंपनी जी.आई.सी.के. पंजाब में 1300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। बिजली क्षेत्र की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए कुछ दिन पहले बिजली के रेट 70 पैसे से 1.50 रुपये प्रति यूनिट तक घटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार सरकार ने जी.वी.के. कंपनी का प्राइवेट थर्मल प्लांट खरीदा है और इसका नाम श्री गुरु अमर दास जी के नाम पर रखा है। 'रौशन पंजाब' मुहिम के तहत 5000 करोड़ रुपये खर्च करके बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है जिसमें अंडरग्राउंड तारें भी बिछाई जाएंगी। सड़क सुरक्षा फोर्स का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एस.एस.एफ. के गठन से पंजाब में सड़क हादसों में मौत दर में 48 प्रतिशत कमी आई है। भ्रष्टाचार के प्रति कोई लिहाज न बरतने की नीति को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि रिश्वतखोरी पर अंकुश लगाने के लिए भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन नंबर-95012-00200 जारी किया गया है और अब तक 1000 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पिछले साल भारी बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए उठाए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों को फसलों, घरों और पशुधन का मुआवजा दिया गया। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए 'जिसदा खेत, उसदी रेत' योजना लागू की गई जिससे किसानों को बहुत फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों को 33 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से 84 हजार 889 क्विंटल गेहूं का बीज मुफ्त वितरित किया गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से कुछ बुजुर्गों को धार्मिक स्थानों के दर्शन पहली बार करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा श्रद्धालुओं को राज्य से बाहर सिखों के दो पवित्र तख्त साहिबान तख्त श्री पटना साहिब (बिहार) और तख्त श्री हजूर साहिब (महाराष्ट्र) के दर्शन करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री करवाने में आने वाली परेशानी को हमेशा के लिए दूर करने के लिए ईजी रजिस्ट्री और ईजी जमाबंदी की व्यवस्था लागू की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 44,920 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया जा रहा है और इस प्रोजेक्ट पर 16,209 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं जिसमें से 14,328 करोड़ रुपये सड़कों के नवीनीकरण और 1,880 करोड़ रुपये सड़कों के 5 सालों के रख-रखाव के लिए हैं। लोगों के लिए राहत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब में 19 टोल प्लाजा बंद कर दिए गए हैं जिससे आम आदमी की जेब से टोल फीस के रोजाना 64 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि पावन ग्रंथ ले जाने वाले वाहनों का टैक्स माफ किया गया जबकि पिछली सरकारों ने इस बारे में कभी सोचा भी नहीं। पंजाब को अंधाधुंध लूटने के लिए अकाली दल पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोगों ने अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल के पिता प्रकाश सिंह बादल को पांच बार मुख्यमंत्री बनाया लेकिन इस परिवार ने अपना विकास तो किया लेकिन पंजाब के लिए कुछ नहीं किया जिसके लिए लोग कभी अकालियों को माफ नहीं करेंगे। सदन से वॉकआउट करने के लिए कांग्रेस विधायकों को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपसी कलह का शिकार हुई कांग्रेस को 2027 में बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ेगा और कांग्रेस की हालत ऐसी होगी कि पंजाब के लोगों ने सदन में विपक्षी बेंच पर बैठने के लिए एक विधायक भी नहीं जीता कर भेजना। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार आने वाले समय में इसी समर्पित भावना, लगन और ध्यान से लोगों की सेवा करती रहेगी ताकि पंजाब को शहीदों के सपनों का पंजाब बनाया जा सके।

कार टच करने पर बाइक सवार ने चालक पर चलाई गोली, बाल-बाल बचा

नई दिल्ली। भलस्वा के मुकुंदपुर इलाके में कार टच करने पर हुए विवाद के बाद एक बाइक सवार ने कार चालक पर गोली चला दी। गोलीबारी में पीड़ित अरविंद कुमार पांडे बाल-बाल बच गया। आरोप है कि गोलीबारी के बाद आरोपी ने पथराव कर उसकी कार समेत दो कारों के शीशे तोड़ दिए। घटना को अंजाम देकर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस हत्या का प्रयास का केस कर आरोपी की तलाश कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि बुधवार को भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को गली नंबर-6, मुकुंदपुर में गोली चलाने और गाड़ी में तोड़फोड़ की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को शिकायतकर्ता मुकुंदपुर-ढ्ढ गली नंबर छह निवासी अरविंद कुमार पांडे मिला। उसने बताया कि वह निजी कंपनी में काम करता है। वह शाम करीब 4.50 बजे गली नंबर छह, मुकुंदपुर में अपनी कार बैक कर रहा था, इसी दौरान एक बाइक से उसकी कार टच कर गई। इस बात को लेकर बाइक सवार उससे कहासुनी करने लगा। फिर वह धमकी देकर वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह पिस्टल लेकर आया और उसकी तरफ निशाना कर गोली चला दी। हालांकि गोली उसे नहीं लगी। उसके बाद आरोपी ने पथराव कर दिया। जिससे गली में खड़ी दो कारों के शीशे टूट गए। घटना को अंजाम देकर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस को मौके पर छानबीन के दौरान खोखे नहीं मिले। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आस पास के सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

बुराड़ी में होली के झगड़े में युवक की मौत, चाकूबाजी में एक घायल, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में होली के जश्न के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। एक मामूली झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक युवक की जान चली गई। इस घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक युवक की पहचान नेपाल के रूप में हुई है। यह घटना होली के पावन पर्व पर हुई, जब लोग खुशियां मना रहे थे। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान धारदार हथियार का इस्तेमाल हुआ। संभवत: चाकू से हमला किया गया। हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे स्थिति बिगड़ गई। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमें गठित की हैं। बुराड़ी क्षेत्र में होली के दिन कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ हमलावरों ने चाकू निकालकर वार करना शुरू कर दिया। नेपाल को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दिल्ली पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच के आधार पर एक आरोपी को पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों को भी जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

साइबर ठग दिल्ली में खोल रहे सबसे ज्यादा फर्जी बैंक खाते, हरियाणा, यूपीऔर बिहार भी प्रमुख हॉटस्पॉट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान देश के उन शीर्ष 10 राज्यों में शामिल हैं, जहां साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक खाते खोलकर धन की हेराफेरी कर रहे हैं। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली के अलावा दमन- दीव, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार व तमिलनाडु भी प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किए गए हैं।

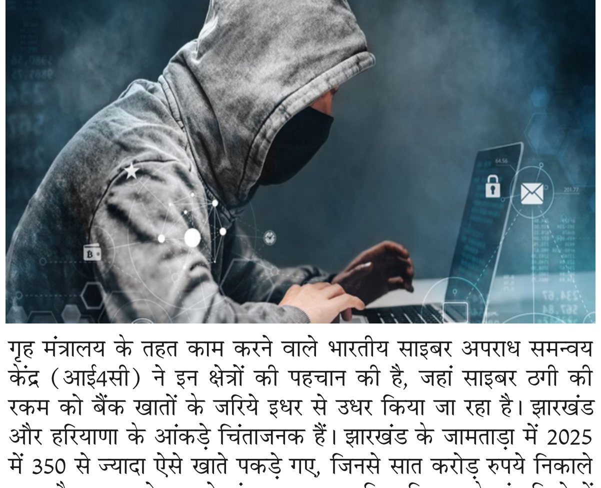

गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने इन क्षेत्रों की पहचान की है, जहां साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिये इधर से उधर किया जा रहा है। झारखंड और हरियाणा के आंकड़े चिंताजनक हैं। झारखंड के जामताड़ा में 2025 में 350 से ज्यादा ऐसे खाते पकड़े गए, जिनसे सात करोड़ रुपये निकाले गए और 3.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए, जबकि हरियाणा के नूंह जिले में 1,000 से अधिक ऐसे खाते सामने आए, जिनसे 18 करोड़ रुपये की निकासी हुई। जांच एजेंसियों को मनी ट्रेल पकड़ने में कठिनाई हो, इसलिए अपराधी रकम को कई खातों में घुमाते हैं। कई गिरोह कंबोडिया, वियतनाम व म्यांमार जैसे देशों से रैकेट चला रहे हैं, जबकि भारत में फर्जी नाम से खाते का उपयोग कर रहे हैं। सीबीआई ने 2025 में 700 बैंक शाखाओं में करीब 8.5 लाख संदिग्ध ऐसे खातों की पहचान की है।

प्रधानी के लिए दो गुटों में संघर्ष, लाठी-डंडे और पत्थरबाजी

मोदीनगर (गाजियाबाद)। भोजपुर के गांव नाहली में आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटे भावी प्रत्याशियों के दो गुटों में संघर्ष हो गया। पुलिस की मौजूदगी में दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे चले और पत्थरबाजी हुई। इस दौरान गांव में भगदड़ मच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों के छह लोगों को हिरासत में लिया है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भोजपुर के गांव नाहली निवासी अहसान और आकिल आगामी पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधानी की तैयारी कर रहे हैं। शुक्रवार दोपहर दोनों पक्षों के समर्थकों में चुनावी चर्चा के दौरान कहासुनी हो गई। देखते ही देखते संघर्ष बढ़ गया। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आमने सामने आ गए। जमकर पत्थरबाजी हुई। लगभग 20 मिनट तक संघर्ष होता रहा। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बलवाई पुलिस के सामने भी पथराव करते रहे। इस दौरान वहां मौजूद उप निरीक्षक बेबस नजर आए और मोबाइल फोन से बलवाइयों के वीडियो बनाने लगे। कुछ देर बाद पहुंचे पुलिसबल ने बलवाइयों को लाठी चार्ज कर खदेड़ा। संघर्ष में तीन लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। लगभग एक माह पूर्व भी गांव में चुनावी रंजिश में संघर्ष हो चुका है।

सेवानिवृत्त सेना अधिकारी से 61 लाख की ठगी, केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-चाई-1 स्थित एडब्ल्यूएचओ गुरजिंदर विहार में फ्लैट बेचने के नाम पर एक लेफ्टिनेंट कर्नल(सेवानिवृत्त) से करीब 61 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से सेवानिवृत्त शंभूनाथ ठाकुर का कहना है कि नवंबर, 2023 में उनकी मुलाकात रियल एस्टेट कारोबारी राजू शर्मा से हुई थी। ग्रेटर नोएडा में फ्लैट के लिए उसने उनकी मुलाकात समीना अहमद उर्फ डिम्पल और उसके सहयोगी सौरभ उर्फ मार्शल से कराई। समीना अहमद ने गुरजिंदर विहार स्थित अपना फ्लैट बेचने की बात कही। 6 नवंबर, 2023 को दोनों पक्षों के बीच 1.50 करोड़ रुपये में सौदा तय हुआ। हालांकि, कीमत बढ़ाने के बाद 15 जुलाई, 2024 को 1.73 करोड़ रुपये में एग्रीमेंट टू सेल किया गया। आरोपी महिला को पीड़ित ने लगभग 61,32,320 रुपये दे दिए, लेकिन न तो फ्लैट की रजिस्ट्री कराई और न ही पैसा लौटाए। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पत्रकार रीना स्लाथिया ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा सम्मानित

प्रथम पृष्ठ का शेष

उनके अनुसार, रीना के कार्य ने महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है और उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा अवसरों को बेहतर बनाने के लिए चर्चा को प्रोत्साहित किया है। चेयरमैन ने यह भी कहा कि ज्यूडिशियल काउंसिल उन व्यक्तियों को पहचान देने और प्रोत्साहित करने में विश्वास रखती है जो समाज के लिए सकारात्मक योगदान देते हैं। पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों को सम्मानित करके परिषद समाज में जिम्मेदारी, जागरूकता और सेवा की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहती है। राजीव अग्निहोत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि रीना भविष्य में भी उसी ईमानदारी और समर्पण के साथ समाज की सेवा करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका कार्य विशेष रूप से युवा पत्रकारों को प्रेरित करेगा, जो मीडिया को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना चाहते हैं। प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद रीना ने ज्यूडिशियल काउंसिल और उसके चेयरमैन राजीव अग्निहोत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए और भी अधिक विशेष और अर्थपूर्ण है।

लोकहितैषी और प्रगतिशील बजट से सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी होगी और मजबूत: हरदीप सिंह मुंडियां

प्रथम पृष्ठ का शेष

आपदा प्रबंधन के प्रयासों का ज़िक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष आए भीषण बाढ़ के दौरान सरकार ने तेज़ और योजनाबद्ध कार्रवाई की। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान सरकार ने व्यापक राहत और बचाव कार्यों के लिए 1010 करोड़ रुपये जारी किए। इस राशि से फ़सल नुकसान के लिए मुआवज़ा, घरों और पशुओं को हुए नुकसान के लिए प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त राज्य शमन निधि के तहत भी महत्वपूर्ण निवेश किए गए। उन्होंने बताया कि पंजाब ने भारत के पहले पूर्ण डिजिटल फ्लड रिलीफ सिस्टम की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से जियो-टैग्ड सर्वेक्षण और रियल-टाइम निगरानी की व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रणाली के ज़रिए राहत राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ऑनलाइन स्थानांतरित की जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है। साथ ही इस पहल से राहत प्रक्रिया में देरी भी काफ़ी कम हुई है और बाढ़ प्रभावित परिवारों को कुछ ही महीनों में वित्तीय सहायता मिल सकी है, जबकि पहले इसमें अक्सर छह महीने से लेकर एक वर्ष तक का समय लग जाता था।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Vimlesh W/o Mr. Kunwar Pal is the owner of Freehold Residential Property Bearing Plot No.2, Land area measuring 50 Sq. Yds. Out of Khasra No.2/21 & 22 Situated in the revenue estate of Village Mirzapur, Delhi estate Delhi Area Abadi Known as Colony Mahabir Enclave, Part-II, New Delhi. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 15.09.2010, in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mrs. Jainab Khatoon and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, SUNIL S/o Prahlad Pal R/o Z-282, GALI NO.5, PREM NAGAR-2,, KIRARI SULEMAN NAGAR, ROHINI, DELHI-110086 have changed my name to SUNIL PAL.

NAME CHANGE

I, RIKHAB CHAND JAIN S/O PUKHRAJ JAIN Residing at H No H NO-T-78 GALI NO-08 GAUTAMPURI, SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to RIKHAB JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAJAN DEVI W/O PUKHRAJ JAIN Residing at H No H NO-T-78 GALI NO-08 GAUTAMPURI, SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to BHANWARI DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Gopal Kashyap S/o Sukh Ram R/o 13/224, 3rd Floor, Geeta Colony, Delhi-110031 have changed my name to Gopal.

NAME CHANGE

I, Anshil Tanwar S/o Jugbir Singh R/o WZ-578/C, Naraina Village, Delhi-110028 have changed my name to Anshil.

NAME CHANGE

I, Km Sonia W/o Anshil R/o WZ-578/C, Naraina Village, Delhi-110028 have changed my name to Soniya.

NAME CHANGE

I, Mamta Devi W/o Jugbir Singh R/o WZ-578/C, Naraina Village, Delhi-110028 have changed my name to Mamta.

NAME CHANGE

I, Jagbir Singh Tanwar S/o Lal Singh R/o WZ-578/C, Naraina Village, Delhi-110028 have changed my name to Jugbir Singh.

NAME CHANGE

I, Anita Devi W/O Rajinder Singh R/O RZ-C 28 Najafgarh park dichaon road Najafgarh delhi 110043, Changed my name to Anita.

NAME CHANGE

I hitherto known as ANITA BANIWAL D/O DARYAO SINGH W/O SAURAV MANN R/O H.no-525, Village Hamid Pur, PO. Khampur, North West Delhi, Delhi-110036 have changed my name and shall hereafter be known as ANITA MANN.

NAME CHANGE

I, Mod/Mohd Kasif S/O Khalil Khan R/O H NO. C-84A, STREET NO. 7 JYOTI COLONY, SHAHDARA, SHAHDARA,DELHI-110032, Changed my name to Mohammad Kasif.

NAME CHANGE

I,SAFWAN T ,CURRENTLY RESIDING AT 480A HARDEV PURI GAUTAM NAGAR ANDREWSGANJ SOUTH DELHI,DELHI-110049,AND A PERMANENT RESIDENT OF 73/76, SARAVANAPERUMAL 1ST STREET,FLOWERS ROAD, PO:FLOWERS ROAD, DIST:CHENNAI,TAMILNADU-600084, HAVE CHANGED MY NAME TO SAFWAN THAIKKADAN.

NAME CHANGE

I, JAHFAR, S/O MUHAMMAD KUTTY, PERMANENTLY RESIDING AT THAIKKADAN HOUSE, NO. 54, D BLOCK, MAIN ROAD, MMDA COLONY, ARUMBAKKAM, CHENNAI, TAMIL NADU - 600106, FATHER OF SAFWAN T ,WHO IS CURRENTLY RESIDING AT 480A HARDEV PURI, GAUTAM NAGAR, ANDREWS GANJ, SOUTH DELHI - 110049,HAVE CHANGED MY NAME TO JAHFAR T

NAME CHANGE

I, Harshita Bisht D/o Yudhbir Singh Bisht W/o Manan Anand R/o 3rd F-285, Nehru Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as Harshita Bisht Anand.

NAME CHANGE

I ANUP KUMAR MEENA S/O NATTHU RAM MEENA R/O FLAT NO 256 SEC 13 POCKET A ROSEWOOD APARTMENT NSIT DWARKA SOUTH WEST DELHI-110078 have changed the name of my minor son SIDDHARTH aged 08 YEARS AND HE SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SIDDHART CHOURAASHIYA

NAME CHANGE

I ANUP KUMAR MEENA S/O NATTHU RAM MEENA R/O FLAT NO 256 SEC 13 POCKET A ROSEWOOD APARTMENT NSIT DWARKA SOUTH WEST DELHI-110078 have changed the name of my minor son SARTHAK aged 08 YEARS AND HE SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SARTHHAAK CHOURAASHIYA

NAME CHANGE

I, Dhara Singh S/o Ladu Ram Choudhary R/o Village Udaipuriya, Post-Chandlai, Tehsil-Chaksu, District-Jaipur, Rajasthan - 303903, have changed my minor son's name from Aditya Choudhary Aged 07 Years to Lakshit forever.

NAME CHANGE

I Jeevan Lal S/o Sri Ghanshyam Chaudhary R/o Vill.& Post Mahobara Alinagar Ganpatganj Distt Sant Kabir Nagar Uttar Pradesh - 272176, have changed my name to Dinesh Chaudhary

NAME CHANGE

I, VINOD PALIWAL S/O MOOL CHAND R/O HOUSE NO A-88/1, DEVLI EXTENSION, SOUTH DELHI, NEW DELHI 110080 have changed my name from VINOD PALIWAL to LALIT, and henceforth

नाम परिवर्तन

सभी को सूचित किया जाता है की जय प्रकाश उर्फ गौप्रतिष्ठानंद जी महाराज S/O बंसी लाल R/O H-13 नई सीलमपुर गढ़ी मेंदु नार्थ ईस्ट दिल्ली -110053 जय प्रकाश और गौप्रतिष्ठानंद जी महाराज एक ही व्यक्ति के दो नाम है

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Chandan Kumar Mahto S/O Shalender Mahto, R/O A-47, Sharma Enclave, Village-Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi-110081,declare that name of mine and my father has been wrongly written as Chandan Kumar Mahato and Shailender Mahato in my 10th Class educational documents. The actual name of mine and my father are Chandan Kumar Mahto and Shalender Mahto ,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Viresh Kumar S/O DARBARI LAL, R/O RC 112, D BLOCK, KHORA COLONY, PRATAP VIHAR, Khors, PO: Khora Gaon, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201309, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Ram Kumar and Amar Singh in my Pan Card No CEQPK0119G.The actual name of mine and my father are Viresh Kumar and Darbari Lal,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I VIKAS KUMAR S/O SHASHI KANT R/O H.NO 24 RAM CHANDER ENCLAVE MAHARANI ENCLAVE HASTSAL VILLAGE UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to VIKAS Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SHARFUDDIN S/O NIZAMUDDIN R/O B-213 GALI NO -03 MANDAWALI FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to SHARFUDDIN ANSARI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I APSARA SONI D/O RAJENDER KUMAR VERMA R/O RZ- 427 SYNDICATE MARKET, PALAM COLONY PALAM EXTENSION DELHI-110077 have changed my name to APSARA VERMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I JAGAT NR MANDAL S/O RAMESHWAR MANDAL R/O A-630 GALI NO 10, 20 FUTTA ROAD JAITPUR EXTN PART- 2 BADARPUR DELHI -110044 have changed my name to JAGAT NARAYAN MANDAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I Sarvindr S/O Manga, R/O Bhamela, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251301,have changed the name of my minor son Vansh aged 17 years and he shall hereafter be known as VIVEK

NAME CHANGE

I, PRINCE S/O OM PARKASH KAPOOR residing at F-145, FIRST FLOOR, VIKAS PUR, DELHI-110018 have changed my name to PRINCE KAPOOR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KAVIN ARORA W/O PRINCE KAPOOR residing at F-145, FIRST FLOOR, VIKAS PUR, DELHI-110018 have changed my name to KAVIN KAPOOR for all future purposes.

नाम परिवर्तन

मैं, निलय विजय पुत्र अपूर्व अग्निहोत्री; निवासी- 6B/255, पी. के. रोड, रेलवे ऑफिसर कॉलोनी, नई दिल्ली, दिल्ली-110001, ने सभी कार्यों हेतु अपना नाम बदलकर निलय विजय अग्निहोत्री कर लिया है।

NAME CHANGE

I, Rachna D/o Madan Pal Singh, R/o Lane No. 6, Ram Niwas, Ankit Vihar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, have changed my name from Rachna to Rachna Bansal. Henceforth, I shall be known as Rachna Bansal for all purposes.

NAME CHANGE

I, SHUBHANKAR, S/o. BIBASWAN MUKHERJEE, R/o. FLAT NO-463, DDA SFS FLATS, POCKET-1, SECTOR-9, DWARKA, NEW DELHI-110077, have changed my name from SHUBHANKAR to SHUBHANKAR MUKHERJEE for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as SARITA RANI D/o BAIJU LAL W/o SUNIL KUMAR DHIMAN R/o Flat No - 129 , Suryodaya Apartments Pocket - 8 , DDA Mig Flats Sector - 12 , Dwarka N.S.I.T Dwarka, South West Delhi - 110078 have changed my name and shall hereafter be known as SARITA DHIMAN.

NAME CHANGE

I, S VATCHALA Mother of No-15713107M, Rank-HAV, Name-RAJESH S residing at VILL-KALASAMUDRAM, TEHSIL-POLUR, DISTT- TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632311 have changed my name from S VATCHALA to VATCHALASUBRAMANIAN for all future purposes vide Affidavit dated 09/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUBRAMANIYAN Father of NO-15713107M, Rank-HAV, Name-RAJESH S residing at VILL-KALASAMUDRAM, TEHSIL-POLUR, DISTT- TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632311 have changed my name from SUBRAMANIYAN to SUBRAMANIAN for all future purposes vide Affidavit Dated 09/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Leena Agarwal W/o Rohit Aggarwal R/O P No-76, Second Floor, Block B-3, Jwala Heri, Paschim Vihar, PO : Paschim Vihar, Dist: West Delhi, Delhi -110063 have changed my name to Leena Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rohit S/o NAND Kishor R/O P No-76, Second Floor, Block B-3, Jwala Heri, Paschim Vihar, PO : Paschim Vihar, Dist: West Delhi, Delhi -110063 have changed my name to Rohit Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I CHIRAG JAIN S/O JINENDER KUMAR JAIN R/O 1/7063 , Gali No – 5 Govind Marg , Near Post Office , Shivaji Park , VTC : Shahdara , PO : Shahdara , Dist : Shahdara , Delhi – 110032 , declare that name of my wife has been wrongly written as HEENA JAIN in my minor son AARAV JAIN aged 14 years in his school records. The actual name of my wife is HINA JAIN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, HASEENA NAGMA, W/o. NASEEM ALI, R/o. D-1/17A, PALAM KUNJ, RAMPHAL CHOWK, SECTOR-7, DWARKA, NEW DELHI-110075, have changed my name from HASEENA NAGMA to NAGMA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Tushar Bhatnagar S/O Deni Bhatnagar, R/O 471/4 sector 4, shastri nagar, Meerut, PO: L. L. R. M. Med.college, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250004, declare that name of my father has been wrongly written as Amit Bhatnagar in my 10th Class educational documents .The actual name of my father is Deni Bhatnagar, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MANPREET KAUR D/o Surbir Singh R/o 11, Gali No 3, Kot Mangal Singh, Taran Taran Road , Amritsar, Punjab -143001, have changed my name to MANRIET KAUR for all future purpose

NAME CHANGE

I Sunil Kumar S/o Jiwan Dass R/o N 46 -47, SHOP PLOT, KIRTI NAGAR, Ramesh Nagar H.O, DIST: West Delhi, Delhi - 110015 have changed my name to Sunil Kumar Midha for all future purposes.

NAME CHANGE

I. SUNITA is a real mother of No-2818475A Rank-SEP Name KALE NILESH AMBADAS presently residing at VILL-KOTAMGAON POST - KOTAMGAON ???-NIPHAD DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-422306, have changed my name from SUNITA TO SUNITA AMBADAS KALE for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I. MANGAL is a real mother of No 2810662K Rank SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA presently residing VILL KURNI POST-MALAGE TEH-KAGAL DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416219, have changed my name from MANGAL TO MANGAL BALKRISHNA PATIL and date of birth from 16/03/1958 to 01/01/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE

I. PATIL BALKRISHNA KERABA is a real father of No 2810662K Rank SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA presently residing VILL KURNI POST-MALAGE TEH-KAGAL DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416219, have changed my name from PATIL BALKRISHNA KERABA to BALKRISHNA KERBA PATIL and date of birth from 01/06/1953 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SUMAN is legally mother of No. JC-462665M Rank- NB SUB Name-PATIL SACHIN MARUTI presently residing at VILL- NAGARDALE, POST- KINI, TEH- CHANDGAD, DIST- KOLHAPUR, STATE MAHARASHTRA, PIN-416508, have changed my name from SUMAN to SUMAN MARUTI PATIL and date of birth from 16/05/1958 to 04/06/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SATISH S/O RAM SINGH YADAV R/O VILLAGE NAURANGPUR, NAVRANGPUR (157), SIKOHPUR, GURGAON, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO SATISH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I Sunil Kumar S/o Jiwan Dass R/o N 46 -47, SHOP PLOT, KIRTI NAGAR, Ramesh Nagar H.O, DIST: West Delhi, Delhi - 110015 have changed my name to Sunil Kumar Midha for all future purposes.

NAME CHANGE

I Gurdeep Singh Anand S/o Rattan Singh R/o J-101, Patel Nagar 1, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor daughter Khushi Anand aged 16 years and she shall hereafter be known as Khushleen Kaur.

NAME CHANGE

I PARVEEN KUMAR GUPTA S/o SH. RAJENDRA KUMAR GUPTA, R/o Qtr. No. 1013, Type-2, Block-Z, Lucknow Road, Timarpur, Delhi-110054, have changed the name of my minor son NAMIT GUPTA aged 12 years and he shall hereafter be known as SHIVANSH GUPTA.

NAME CHANGE

I, RAKESH CHOUDHARY S/o HARE KRISHAN CHOUDHARY R/o WZ-550, F/F, FLAT NO-201, THAKUR GOBIND APARTMENT, NANGAL RAYA, DELHI-110046, have changed my name from RAKESH CHOUDHARY to RAKESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BRIJ MOHAN S/O RAM CHANDER residing at H NO-B-3, VIKRAM ENCLAVE, SHALIMAR GARDEN, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005, have changed my name to BRIJ MOHAN DABLA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-6946510F Rank-CHM Name-VINAY KUMAR JHA residing at VILL-NARI KALA, PO-NARI KHURD, TEHSIL-JANADAHA, DIST-VAISHALI, BIHAR-844126, have changed my minor son's name from DEVYANSH KUMAR to DEVYANSH JHA for all future purposes vide affidavit dated 09/03/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Sachin S/O Thomas R/O Plot No.35 First floor Village Amberhai Sector-19 Dwarka Delhi 110075 Changed my name to Sachin Thomas.

NAME CHANGE

I, SATISH KUMAR / SATISH KUMAR CHAUHAN S/o Jaikaran Singh R/o RZF-710/4, Rajnagar-II, Street No.1, Palam Colony, Dharamshala Marg, Delhi-110077, have changed my name to SATISH CHAUHAN permanently

NAME CHANGE

I Jaini W/O Thomas R/O Plot No.35 First floor Village Amberhai Sector-19 Dwarka Delhi 110075 Changed my name to Jaini M R.

NAME CHANGE

I Mannat Malhotra W/O Shobhit Gupta R/O TP 145 Pitam Pura Delhi -110034 Changed my name to Mannat Gupta .

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

यूपीएससी में 685वीं रैंक निशु त्यागी को बधाई देने वालों का तांता

एजेंसी

सोनीपत। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में क्षेत्र की प्रतिभाशाली अभ्यर्थी निशु त्यागी ने इस बार अपनी रैंक में उल्लेखनीय सुधार करते हुए 685वीं रैंक हासिल की है। इससे पहले उन्हें 752वीं रैंक प्राप्त हुई थी। रैंक में सुधार की खबर मिलते ही परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। गांव घसौली और आसपास के लोगों, मित्रों व शुभचिंतकों ने निशु को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और लगन की सराहना की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश पहलवान पुरखासिया भी निशु त्यागी के आवास पर पहुंचे और उन्हें आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निशु त्यागी के पिता प्रवीण त्यागी गन्नौर में दुकान संचालक हैं, जबकि उनकी माता बैंक में कार्यरत हैं। उनके दादा लालमन त्यागी भी सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और मार्केट कमेटी के चेयरमैन रह चुके हैं। निशु ने बताया कि पिछली बार मिली रैंक से संतुष्ट न होकर उन्होंने और बेहतर परिणाम के लिए दोबारा प्रयास किया। कठिन परिश्रम और नियमित अध्ययन के बल पर इस बार उनकी रैंक में सुधार संभव हो पाया। उन्होंने कहा कि यदि इस रैंक के आधार पर उन्हें कोई बेहतर महकमा मिलता है तो वह वर्तमान में रेलवे विभाग का प्रशिक्षण छोड़कर उस विभाग में जाने पर विचार करेंगी। उनका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में रहकर समाज और देश के लिए बेहतर कार्य करना है।

नारी शक्ति से ही स्वर्णिम भारत का निर्माण संभवः हरविंद्र कल्याण

पानीपत। ब्रह्माकुमारीज, ज्ञान मानसरोवर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नारी समाज की शक्ति है और जब महिलाओं को सम्मान, शिक्षा और संस्कार मिलते हैं तो स्वर्णिम भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। तो राष्ट्र स्वतः ही उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज द्वारा महिलाओं में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के जागरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राजयोगी भारत भूषण, निदेशक ज्ञान मानसरोवर ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति समाज की आधारशिला है। जब महिलाएं आध्यात्मिक मूल्यों और संस्कारों से सशक्त बनती हैं, तब परिवार, समाज और राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से आत्मिक जागरूकता बढ़ाकर महिलाएं अपने जीवन में शांति, शक्ति और संतुलन ला सकती हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पानीपत की महापौर कोमल सैनी ने कहा कि महिला दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि नारी के सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान बीके सुनीता दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया तथा बीके सुमन बहन, बीके मोनिका बहन ने सभी अतिथियों का बैज व गुलदस्ते देकर सम्मान किया। तथा मंच का संचालन ब्रह्माकुमारी दिव्या ने किया।

पलवल के छांयसा में हेपेटाइटिस-बी की जांच तेजः केंद्रीय टीमों ने लिए सैंपल, मरीजों की हिस्ट्री खंगाली

पलवल। जिले के छांयसा गांव में सामने आए हेपेटाइटिस-बी के मामलों की जांच के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों की टीमों ने गांव का दौरा किया। आईसीएमआर पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की टीमों ने रविवार को गांव पहुंचकर हेपेटाइटिस-बी से प्रभावित मरीजों के सैंपल लिए और बीमारी से जुड़ी जानकारी जुटाई। टीम में डॉ. वरुण, डॉ. गिरीश, डॉ. पार्थ और डॉ. संध्या शामिल रहे। उन्होंने हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों प्रकार के मरीजों के नमूने लेकर उनके स्वास्थ्य इतिहास की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही बीमारी से मृत हुए लोगों के परिजनों से भी बातचीत कर मामले से संबंधित तथ्य जुटाए। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) छांयसा के प्रभारी डॉ. देवेंद्र जाखड़ भी टीम के साथ मौजूद रहे। जांच के दौरान टीम ने ग्रामीणों से एनर्जी ड्रिंक के सेवन को लेकर भी पूछताछ की। डॉक्टरों ने लोगों को नीम-हकीम और झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज कराने से बचने की सलाह दी और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों से संपर्क करने की अपील की।

रेवाड़ी में बिहार के व्यक्ति ने कीटनाशक का सेवन कर की आत्महत्या

रेवाड़ी। जिले के कस्बा बावल में बिहार के एक व्यक्ति ने कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मूल रूप से बिहार निवासी करीब 40 वर्षीय सुनील पंडित के रूप में हुई है। फिलहाल वह बच्चों के साथ बावल में रह रहा था। सूचना के बाद बावल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिवार को घटना की जानकारी देकर मामले की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सुनील पंडित बावल की एक कंपनी में काम करता था। चार साल पहले उसने बावल में मकान बनाया था। जहां वह बच्चों के साथ रह रहा था। शनिवार की रात को उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बावल थाना प्रभारी संजय ने बताया कि कीटनाशक के सेवन से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिवार को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

महिलाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों को दी जाएगी अतिरिक्त सब्सिडी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि हरियाणा में महिलाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों को राज्य सरकार की तरफ से अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सिरसा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिला उद्यमिता मंच के हरियाणा चैप्टर की शुरुआत करने के अलावा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की पांचवीं किस्त के 200 करोड़ 77 लाख रुपये, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के एक हजार 338 करोड़ 61 लाख रुपये तथा हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 20 करोड़ 21 लाख रुपये पात्र महिलाओं के बैंक खातों में स्थानांतरित किए। उन्होंने स्टार्टअप्स को भी 3 करोड़ रुपये की सीड-मनी के चेक वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह में सेंड आर्ट शो के माध्यम से महिला सशक्तिकरण व उपलब्धियों की झलक दिखी। नायब

सिंह सैनी ने समारोह में उपस्थित महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज एक ओर जहां पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है, वहीं दूसरी ओर हरियाणा की ऐतिहासिक धरती पानीपत पर शुरू हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के 11 गौरवपूर्ण वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने महिला उद्यमिता मंच के हरियाणा चैप्टर को शुरू करने को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की संख्या 61 प्रतिशत करने में कारगर सिद्ध होगा। आज 16 उद्यमशील माताओं-बहनों को स्टार्टअप हेतु दी जाने वाली मदद के चेक वितरित किये हैं। साथ ही, महिला उद्यमियों के लिए 3 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है। यह मंच उन बहनों के लिए एक वरदान साबित होगा, जो स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मंच महिलाओं को बाजार की नई तकनीक और मार्केटिंग की बारीकियों से रूबरू कराएगा। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को इस महिला उद्यमिता मंच जुडकर इसका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने इसके लिए बजट में 5 करोड़ रुपये की लागत से एक वर्कप्लेस सेफ्टी फंड बनाने का प्रावधान किया है। इसके साथ ही एक पोश सेल और एक विशाखा पोर्टल भी बनाया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने भी इस अवसर पर महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि जब तक महिला सशक्त नहीं होगी तब तक समाज सशक्त नहीं होगा।

नहर में डूबे दो किशोरों के शव सोनीपत की खूबडू झाल में मिले

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में होली पर्व पर नहर में नहाने और किनारे बैठने के दौरान पानी में डूबे दो किशोरों के शव सुबह सोनीपत की खुबडू झाल से बरामद हुए। इसके बाद उन्हें पानीपत के सिविल अस्पताल लाया गया। पुलिस के अनुसार न्यू शांति नगर के निवासी कर्ण होली खेलने के बाद दोपहर को अपने चचेरे भाई धनीराम के साथ नहर पर नहाने के लिए गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किनारे पर नहाते समय अचानक कर्ण का पैर फिसल गया और पानी का बहाव इतना तेज था कि वह खुद को संभाल नहीं पाया। तेज बहाव में ओझल गया था। दूसरे मामले में शांति नगर के ही रहने वाले 14 वर्षीय अंकुश होली खेलने के बाद नहर किनारे बैठने के लिए गया था। उसके ताऊ चंद्रप्रकाश ने बताया कि वहां अचानक पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में गिर गया और देखते ही देखते बह गया था। रविवार सुबह जब खुबडू झाल पर दोनों किशोर की डेडबॉडी मिली, तो उसकी पहचान अंकुश व कर्ण के रूप में हुई। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पानीपत सिविल अस्पताल लाया गया।

गैस सिलेंडरों के बढ़े दामों के खिलाफ महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

एजेंसी

सिरसा। रसोई गैस सिलेंडरों के दामों में की गई वृद्धि के खिलाफ महिला कांग्रेस ने सिरसा में सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बढ़े हुए दामों को तुरंत वापस लेने की मांग की। कांग्रेस की जिला महिला प्रधान कृष्णा फौगाट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ही सरकार ने रसोई गैस के दामों में वृद्धि कर महिलाओं को ये तोहफा दिया है, जिससे प्रमाणित होता है कि सरकार महिलाओं का कितना सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन में जहां आम घरेलू चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं, वहीं महिलाओं के प्रति बढ़े अपराधों ने महिला वर्ग को अपने घरों में ही रहने को मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन की गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। इस दौरान प्रदर्शनकारी महिला कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

इस प्रदर्शन में अंगूरी देवी वर्मा, कमलेश संधू, पुष्पा नारंग, कृष्णा भांभू, सुनीता ढाका, गुड्डी देवी, सुनैना, अंकिता, सुमित्रा देवी सहित काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

नारनौल में आयोजित 'खेत दिवस' में उमड़े किसान

एजेंसी

नारनौल। जिले के गांव पटीकरा में प्रगतिशील किसान विनोद के खेत पर आलू की फसल को लेकर एक विशाल 'खेत दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 300 से अधिक किसानों ने भाग लेकर आलू की आधुनिक खेती, नई किस्मों और आलू आधारित उद्योगों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किसानों का मार्गदर्शन किया, वहीं दक्षिण अमेरिका से आए कृषि विशेषज्ञ डॉ जान क्रूज़ ने बिना जुताई और पराली की बिछाई वाली तकनीक के बारे में बताया।हरियाणा बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को

वैज्ञानिक तरीके अपनाने और फसलों के विविधीकरण के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया और बताया कि यदि किसान सही तकनीक का चुनाव करें, तो वे कम लागत में बेहतर लाभ कमा सकते हैं।

दक्षिण अमेरिका से आए कृषि विशेषज्ञ डॉ जान क्रूज़ ने बिना जुताई और पराली की बिछाई वाली तकनीक के बारे में बताया, जिससे लागत कम और उत्पादन अधिक होता है। खेत में आलू की विभिन्न उन्नत किस्मों जैसे चिप्सोना-एक, चिप्सोना-तीन और कुफरी उदय का प्रदर्शन भी किया गया। किसान विनोद ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने नई किस्म की खेती से प्रति एकड़ लगभग 360 बोरी आलू की पैदावार प्राप्त की है। विशेषज्ञों ने बताया कि यहाँ की मिट्टी आलू के लिए बहुत उपजाऊ है और यहां आलू में लगने वाली आम बीमारियाँ जैसे पपड़ी रोग और जड़ सड़न बहुत कम पाई जाती हैं। इसी गुणवत्ता को देखते हुए कई कंपनियों ने किसानों के साथ मिलकर काम करने और भविष्य में सीधे खेत से आलू खरीदने की इच्छा जताई। कार्यक्रम में देश की कई बड़ी आलू प्रसंस्करण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

हरियाणा में हर घर को सहकार से जोड़ने की मुहिम शुरू करेंगेः डा. अरविंद

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि सहकारिता देश में परिवारों की खुशहाली और नारी सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के 140 करोड़ नागरिकों को सहकारिता क्षेत्र से जोड़ने का जो संकल्प लिया है, उसी दिशा में हरियाणा में हर घरको सहकार से जोड़ने की मुहिम शुरू की जाएगी। इस अभियान की शुरुआत गोहाना से किए जाने की तैयारी है, जिससे महिलाओं, परिवारों और समाज को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूती मिलेगी।

सहकारिता विभाग के हरको फैड द्वारा गढ़ी उजाले खां स्थित शिव मंदिर परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित किया गया। इसमें सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा और उनकी पत्नी डॉ रीटा शर्मा

ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा विभागीय अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सहकारी संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत आज नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से गांव-गांव में विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पायलट परियोजना के रूप में गोहाना क्षेत्र में हर घर सहकार से जुड़े अभियान को गति दी जाए, ताकि अधिक से अधिक परिवार सहकारिता आंदोलन का हिस्सा बन सकें। उन्होंने मेरी सखी जनसम्पर्क कार्यक्रम के तहत उपस्थित महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से परिवार मजबूत होते हैं और परिवारों की मजबूती ही राष्ट्र की शक्ति बनती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है।

महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह दे सरकारः सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकारों को ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए। लाडो-लक्ष्मी योजना के तहत 2100 प्रतिमाह दिया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में लाडो-लक्ष्मी योजना के लिए 5,000 करोड़ की घोषणा कर बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस राशि का अधिकांश भाग खर्च ही नहीं किया गया। प्रदेश की लगभग 95 लाख महिलाओं में से बहुत कम महिलाओं को ही इस योजना का लाभ मिल पाया है। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर 2025 को जारी अधिसूचना में महिलाओं के लिए कई जटिल शर्तें लगा दी गई हैं, जैसे हर महीने जीवित होने का प्रमाण देना और अन्य सरकारी सहायता लेने पर रोक। इन शर्तों के कारण बड़ी संख्या में पात्र महिलाएं इस योजना से बाहर हो गई हैं, जो कि महिला सशक्तिकरण की भावना के विपरीत है। सैलजा ने कहा कि प्रदेश की सभी महिलाओं को लाडो-लक्ष्मी योजना के तहत 2100 प्रतिमाह दिया जाना चाहिए तथा योजना में लगाई गई अनावश्यक और जटिल शर्तों को तुरंत हटाया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल घोषणाओं से नहीं बल्कि प्रभावी नीतियों और उनके सही क्रियान्वयन से संभव है। सरकार को चाहिए कि वह इस योजना की समीक्षा कर इसे सरल और पारदर्शी बनाए ताकि प्रदेश की हर पात्र महिला तक इसका लाभ पहुंचे।

प्रशिक्षण से मजबूत संगठन, जनसेवा सर्वोपरिः मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा है कि प्रशिक्षण संगठन की आत्मा है और अंत्योदय उसका मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं में राष्ट्रवाद, सेवा भाव और वैचारिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। इसी कारण यह संगठन अन्य दलों से अलग पहचान रखता है। मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत के भगवान विश्वकर्मा मंडल और महाराजा अग्रसेन मंडल में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता निर्माण की निरंतर साधना है, जिसके माध्यम से संगठन की मजबूती, जनसेवा की भावना और मूल्य आधारित राजनीति को बढ़ावा मिलता है। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, इतिहास, नेतृत्व क्षमता, जनसंवाद के तरीके और आधुनिक साधनों के उपयोग की जानकारी दी जाती है।उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ कार्यकर्ताओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक, अंतरजाल माध्यम और बूथ प्रबंधन

जैसे विषयों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे जनसंपर्क को और अधिक प्रभावी बना सकें। उनके अनुसार भारतीय जनता पार्टी में जमीनी स्तर पर काम करने वाला कार्यकर्ता ही अपने परिश्रम के बल पर शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सकता है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का मूल भाव यह है कि राजनीति का केंद्र सत्ता नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान होना चाहिए। इसी विचार को आधार बनाकर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणामें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार जनभावनाओं को ध्यान में रखकर विकास और जनसेवा के कार्य कर रही है। प्रदेश निरंतर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं।

महिलाओं का सशक्तिकरण ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिलाः आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और स्वावलंबन ही एक सशक्त राष्ट्र की असली आधारशिला है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की समस्त मातृशक्ति को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति संभव नहीं है। इस दिशा में केंद्र तथा हरियाणा सरकार लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज की महिलाएं अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, विज्ञान, खेल और राजनीति जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। महिलाओं की उन्नति से ही समाज का समग्र विकास जुड़ा है। यदि महिलाएं सशक्त होंगी, तो परिवार और राष्ट्र स्वतः ही मजबूत होंगे।उन्होंने समाज के प्रति महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि दादी, मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में वे अपने स्नेह और त्याग से समाज को संवारने का कार्य करती हैं। सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'बेटी

बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावी ढंग से चला रही हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुद्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं के स्वास्थ्य और आर्थिक स्वावलंबन में क्रांतिकारी सुधार आए हैं। साथ ही, मिशन शक्ति और महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट जैसी पहल महिलाओं को सुरक्षा और वित्तीय मजबूती प्रदान कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लखपति दीदी अभियान के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उनकी आय बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीति दल : कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीति दल है। ये मौखिक तौर पर नहीं बल्कि आंकड़ों के आधार पर बोल रहा हूं। पूरी दुनिया में इतना बड़ा राजनीति दल जिसके अंदर हर वर्ग हर जाति का व्यक्ति समायोजित होता है। जो नए लोग पार्टी में आते है उन्हें पार्टी की नीति, विचारधाराए सोच से किस प्रकार से जुड़े उसको लेकर समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी पंडित दीन दयाल महाप्रशिक्षण शिविर के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में गांव कसूहन निजी स्कूल में पहुंचे। उनके साथ उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री भी साथ रहे। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि पूरे देश के अंदर दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाप्रशिक्षण शिविर अभियान चल रहा है। भाजपा के इतिहास, विकास के बारे में बताया गया। प्रदेश में 377 मंडल हैं, कार्यक्रम आयोजित होने हैं। 14 अप्रैल से पहले प्रदेश के सभी

मंडलों का महा प्रशिक्षण अभियान पूरा हो जाएगा। इस प्रशिक्षण के बाद शक्ति केंद्र, बूथ इकाई पर ये कार्यक्रम आयोजित होंगे। कृष्ण बेदी ने कहा कि विपक्ष के पास नीरस, निराशजनक बजट, कर्जा उतारने के लिए बजट है केवल ये बातें होती हैं। हर वर्ग की चिंता करते हुए किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी, युवा, सैनिक, महिलाओं के उत्थान को लेकर बजट में प्रावधान किया है। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि हर मंडल में ये प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। प्रशिक्षण से ही व्यक्ति को सिखने को मिलता है।

राज्य सरकार श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध : राजीव रंजन

एजेंसी

गुरुग्राम। एनएचआरडी नेटवर्क ने हरियाणा सरकार के श्रम विभाग के सहयोग से श्रम सुधारों और नए श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एनसीआर और राजस्थान क्षेत्र से आए 150 से अधिक एचआर पेशेवरों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रम विभाग हरियाणा के प्रधान सचिव राजीव रंजन रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के लिए सुगम व्यवसायिक वातावरण तैयार करने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि नई श्रम संहिताओं के तहत पारंपरिक निरीक्षण आधारित व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए एक सहज, पारदर्शी और सुगम अनुपालन व्यवस्था विकसित की जा रही है। इस अवसर पर आयोजित पैनल चर्चा में अतिरिक्त श्रम आयुक्त एनसीआर कुशल कटारिया, उप-श्रम आयुक्त नवीन शर्मा, होंडा टू-व्हीलर्स इंडिया के एचआर हेड सत्यप्रकाश पाटिल, हुंडई मोटर्स के हेड एचआर नटवर काडेल, डीसीएम श्रीराम के सीएचआरओ संदीप गिरोत्रा तथा हेड एचआर विक्रम हॉलिस्टर ने उद्योग और श्रम प्रशासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम में डॉ. आर.जी. मीणा सलाहकार श्रम विभाग भारत सरकार ने भी संबोधित किया। श्रम सुधारों के राष्ट्रीय दृष्टिकोण तथा उद्योग और सरकार के बीच सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएचआरडी रेवाड़ी-अलवर चैप्टर के अध्यक्ष धर्म रक्षित ने की। महानिदेशक एनएचआरडी नेटवर्क धनंजय सिंह ने एचआर पेशेवरों और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देने में एनएचआरडी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख एचआर पेशेवरों में अमित मलिक, तुषारिका सिंह, अमृता, पूर्णिमा भार्गव, प्रीतम, सुधांशु, प्रमोद और विजय सहित कई अन्य उद्योग प्रतिनिधि शामिल रहे।

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें

- यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयॉर्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कॉरिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं सरकारी योजनाएं: निर्मला सीतारमण

महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच उन्हें असली आज़ादी दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं और घरों तथा समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जनधन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश में अब तक 57.71 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं, जो पूरे भारत में वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्य-पूर्व तनाव से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

भारत की प्रमुख गैस कंप नियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए देश की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की दिशा में कदम उठा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से 5, 19 और 425 किलोग्राम वाले जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने की चर्चा है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों की चिंता बढ़ गई है। गैस कंपनियों के प्लांट्स पर सिलेंडर भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगने की जानकारी भी सामने आ रही है। डीलरों का कहना है कि उन्हें सीमित कोटा ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं की आपूर्ति को हर हाल में सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ नए नियम और शर्तें लागू की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण बने रहते हैं तो इसका असर व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसे में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार और ऊर्जा कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखने के प्रयास जारी हैं।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा- साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली ।

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सॉवरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पॉइंट अटैक सरफेस बन जाता है। पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 35 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना ऑफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सॉवरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

अरबों डॉलर का भारतीय माल रास्ते में अटका, 45,000 कंटेनर फंसे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के मुताबिक, लगभग 40,000-45,000 कंटेनर फिलहाल मार्ग में फंसे हैं या अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत समुद्री मार्ग में हैं। इन कंटेनरों में कुल 1-1.5 अरब डॉलर मूल्य का माल शामिल है, जिसमें बासमती चावल लगभग 4 लाख टन शामिल हैं। शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं। इन कारणों से प्रति कंटेनर लागत तीन से पांच गुना बढ़ गई है। एक व्यापार नीति विश्लेषक के अनुसार, सामान्य दिनों में अरब सागर में माल ढुलाई की लागत 800-1,500 डॉलर होती थी, अब इसे अतिरिक्त 3,000-5,000 डॉलर जोड़ना पड़ रहा है। बीमाकर्ताओं द्वारा युद्ध जोखिम कवर रद्द कर दिया गया है, जिससे निर्यातकों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। कुछ निर्यातक बेक टू टाउन विकल्प पर विचार कर रहे हैं, जिससे बंदरगाह से माल वापस लाकर घरेलू बाजार में बेचा जा सके। इसके अलावा यदि खाड़ी देशों के बंदरगाह पर माल उतारना संभव न हो, तो इसे सलालाह जैसे वैकल्पिक बंदरगाहों पर उतारा जा सकता है।

150 डॉलर के पार पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली ।

दुनिया की लगभग 20 फीसदी क्रूड ऑयल सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह जल मार्ग जल्द खुलता है, तो तेल की कीमतें गिर सकती हैं और बाजार सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर बंदी कई सप्ताह तक बनी रहती है, तो सप्लाई में बाधा और कीमतों में तेजी आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 125 डालर प्रति बैरल रेजिस्टेंस स्तर है। इस स्तर को पार करने पर कीमतें 145-150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जो 2008 के उच्च स्तर के करीब है। वहीं 90 डॉलर प्रति बैरल महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में उभर सकता है, जो बाजार में तनाव कम होने का संकेत देगा। तेल की कीमतें सिर्फ सात दिनों में 65 फीसदी तक बढ़ी, जो बेहद असामान्य है। यह तेजी 2022 के एनर्जी संकट से अलग है, क्योंकि तब बढ़ोतरी मुख्य रूप से भू-राजनीतिक डर से थी, जबकि अब वास्तविक सप्लाई बाधित हो रही है।

प्लैटिनम के दामों में गिरावट, युवाओं में बढ़ रही मांग

1 ग्राम प्लैटिनम 6,340, 10 ग्राम की कीमत अब 63,400 रुपए

नई दिल्ली । देश के ज्यादातर शहरों में सोमवार को प्लैटिनम की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, चंडीगढ़, हैदराबाद, सूरत, नागपुर और रायपुर में 1 ग्राम प्लैटिनम 6,340 रुपए में उपलब्ध है। 10 ग्राम प्लैटिनम की कीमत अब 63,400 रुपए हो गई है, जो पिछले हफ्ते के मुकाबले 10 ग्राम पर 500 रुपए कम है। सोने की कीमत लगातार ऊंची बनी हुई है। इस समय 10 ग्राम सोने का भाव लगभग 1,60,000 है। वहीं, 10 ग्राम प्लैटिनम लगभग 66,800 में मिल रहा है। कीमत में यह बड़ा अंतर कई खरीदारों को प्लैटिनम की ओर आकर्षित कर रहा है। प्लैटिनम ज्वैलरी का लुक काफी अलग और मॉडर्न माना जाता है। खासकर युवा वर्ग अब इसे पसंद करने लगे हैं। हालांकि प्लैटिनम की रीसेल वैल्यू सोने जितनी मजबूत नहीं होती, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बाजार दर पर बेचा जा सकता है। अगर आप प्लैटिनम ज्वैलरी खरीदने का सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ताज़ा रेट, शुद्धता और मेकिंग चार्ज की जांच करें। इससे भविष्य में बेचते समय सही मूल्य मिलने में मदद मिलती है।

पेट्रोल और डीजल के भाव में उतार-चढ़ाव

- गौतमबुद्ध नगर, देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता, पटना में 35 पैसे महंगा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर देश के शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दिख रहा है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए/लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर आ गया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रे ति लीटर बिक रहा है। वहीं पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपए बिक रहा है।

कच्चे तेल में उछाल से पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट

देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट दर्ज की गई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 8.67 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का 8.43 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का 7.29 प्रतिशत टूट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और उससे तेल की कीमतों में आई तेजी है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड 114 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस उछाल से न सिर्फ तेल कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ा है, बल्कि देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका है। तेल की बढ़ती कीमतों से पेंट उद्योग भी प्रभावित हुआ। एशियन पेंट्स का शेयर 5.12 प्रतिशत, इंडिगो पेंट्स 4.83 प्रतिशत, बर्जर पेंट्स 4.80 प्रतिशत और कंसाई नेरोलेक पेंट्स 4.72 प्रतिशत टूट गए। इसकी वजह पेंट उद्योग में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री की लागत बढ़ना है, जो तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है।

क्रूड का दाम बढ़ने से अपस्ट्रीम कंपनियों को लाभ, ओएमसी और अन्य सेक्टर्स पर दबाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार को तेल की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। भारत जैसे देशों के लिए जो कच्चा तेल आयात करते हैं, यह स्थिति अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। तेल उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सीधे लाभान्वित होती हैं। इन कंपनियों के लिए हर 1 डॉलर की कीमत बढ़ोतरी से सालाना 300-400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू होने का अनुमान है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें चुनौती बन सकती हैं। सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतें बढ़ाने के पक्ष में नहीं है, इसलिए बढ़ी हुई लागत सीधे इन कंपनियों के मार्जिन और मुनाफे पर असर डालती है। पेंट कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें चिंता का विषय हैं। पेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई रसायन पेट्रोकेमिकल से जुड़े होते हैं। लागत बढ़ने पर कंपनियों को उत्पाद की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे बिक्री और मांग प्रभावित हो सकती है। ब्रोकरेज फर्मों ने एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स के टारगेट कम किए हैं। एविएशन कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें बड़ी चुनौती हैं। इंडिगो जैसी एयरलाइंस के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल का खर्च बढ़ने से संचालन और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1352 , निफ्टी 422 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बढ़ने से भी बाजार टूटा है क्योंकि निवेशकों में भय का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक करीब 1.71 फीसदी नीचे आकर 77,566.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक फिसलकर 24,028.05 पर बंद हुआ। कारोबार में निचले स्तरों पर खरीददारी से कुछ रिकवरी हुई। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट से शुरुआत हुई। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब ऐ विएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 फीसदी तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

यात्रा रद्द करने से पहले जानें रिफंड और वैकल्पिक उड़ान के नियम

एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया की यात्रा पर निकले कई यात्री हाल ही में बढ़ते युद्ध और हवाई मार्ग बंद होने की वजह से अपनी उड़ान और होटल बुकिंग रद्द कर रहे हैं। यात्रियों को पहले तय करना चाहिए कि वे यात्रा करना चाहते हैं या रिफंड लेना चाहते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और कोई भी कदम उठाने से पहले नियमों को समझ लें। यदि युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने की वजह से एयरलाइन अपनी उड़ान रद्द करती है, तो नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियम स्पष्ट हैं। बुकिंग करा चुके यात्री को पूरी रकम वापस मिलती है या उसकी वैकल्पिक यात्रा का इंतजाम किया जाता है। ऐसी स्थिति को फोर्स मैजर कहा जाता है। विशेषज्ञ के अनुसार इस तरह की असामान्य परिस्थितियों में एयरलाइन से अलग मुआवजा मांगना जरूरी नहीं होता, लेकिन मूल टिकट की रकम लौटानी होती है। रिफंड का अधिकार मजबूत करने के लिए एयरलाइन से लिखित में पुष्टि लेना जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे। अगर यात्री खुद टिकट रद्द करा लेता है मगर उड़ान चालू रहती है तो तब तक किराये के सामान्य नियम लागू होंगे, जब तक एयरलाइन किराया माफ करने के या मुफ्त में कैंसल करने की नीति नहीं लाती है। जब एयरलाइन उड़ान को टालने या शुल्क माफ करने जा रही हो तो नॉन-रिफंडेबल किराये वाले टिकट कैंसल बिल्कुल नहीं करें। विशेषज्ञों की सलाह है, यात्रियों को खुद टिकट कैंसल नहीं करने चाहिए बल्कि एयरलाइन से लिखित कैंसलेशन मांगना चाहिए ताकि रिफंड का उनका अधिकार बना रहे। अगर एयरलाइन आपको वैकल्पिक उड़ान का प्रस्ताव देती है तो उसे स्वीकार करना और यात्रा करना जरूरी नहीं है। अगर आपको लगता है कि तेज होते युद्ध के बीच आपको सफर नहीं करना है तो आप एयरलाइन से उसकी जगह पूरा किराया वापस मांग सकते हैं।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने केतन मर्चेंट को नया अंतरिम सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली ।

फिनो पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ ऋषि गुप्ता को पिछले महीने जीएसटी से संबंधित कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के बोर्ड ने गुप्ता के कार्यभार की जिम्मेदारी मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को सौंप दी थी। बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केतन मर्चेंट को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 27 फरवरी, 2026 से तीन महीने या गुप्ता के फिर से कार्यभार संभालने तक लागू होगी। मर्चेंट बैंक के सीएफओ भी हैं और गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने बैंक के रोजमर्रा के संचालन का नेतृत्व किया। गुप्ता का बैंक में वापस आना बोर्ड और नामांकन व पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उनकी उपयुक्तता की पुनः समीक्षा और आरबीआई की मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तारी से लगभग एक महीने पहले ही आरबीआई ने गुप्ता का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी, जो 2 मई, 2026 से प्रभावी होगा।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

नीरज कुमार दुबे

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र ह्यथ्री गॉर्जेस डैमह्न से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना ह्लरन-ऑफ-द-रिवरह्व तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है।

स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की ह्लजल भू-राजनीतिह्व का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।

संपादकीय

बढ़ता तापमान

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है। आने वाले समय में मौसम की चरम स्थितियां घातक साबित हो सकती हैं, जिनका मुकाबला मौजूदा अपर्याप्त प्रशासनिक योजनाओं के जरिये संभव न होगा। इसके लिए कारगर रणनीतियां बनाने की जरूरत होगी। हमें बिजली की अनुमानित मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना होगा। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी करने तथा प्रभावी उपचार की उपलब्धता भी जरूरी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें बिजली और पानी की बबार्दी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

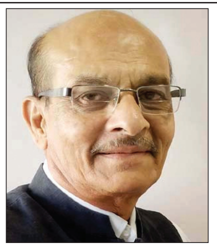

सनत जैन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्न नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्न नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे

कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीजों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया जंगल के कानून पर वापस नहीं जा सकती : वांग यी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए युद्ध को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को 'कभी नहीं होना चाहिए था' बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजिंग में पत्रकारों से बात करते हुए वांग यी ने कहा दुनिया को जंगल के कानून पर लौटने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। सैन्य कार्रवाई तुरंत समाप्त होनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध को लेकर अपने आत्मविश्वास का इजहार किया। ट्रंप ने कहा कि ईरान की सेना और नेतृत्व को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है और युद्ध अभी कुछ समय तक जारी रहेगा। ट्रंप ने कहा हम युद्ध में बहुत आगे हैं। हमने उनका पूरा बुरा साम्राज्य खत्म कर दिया। हमें यकीन है कि यह थोड़ी देर और चलेगा। युद्ध अपने सर्वोत्तम स्तर पर है। ट्रंप ने यह टिप्पणी एयर फोर्स वन में मियामी जाते समय की। उन्होंने ईरानी नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमताओं को निशाना बनाने और लगभग हर सैन्य नेतृत्व को समाप्त करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मिसाइलें अब कम चल रही हैं और ड्रोन क्षमताएं काफी हद तक प्रभावित हुई हैं।

जंग में मारी गई बच्ची को महिलाओं ने कंधा दिया

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का रविवार को नौवां दिन है। जंग की वजह से ईरान के कई शहरों में भंयकर तबाही हुई है और 1400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। वहीं दुनिया भर में इस जंग के खिलाफ और समर्थन में प्रदर्शन किया जा रहा है। ईरान समर्थकों और अमेरिका समर्थकों ने शनिवार को एक ही दिन ब्रिटेन में मार्च निकाला। वहीं दूसरी तरफ लेबनान में भी इजराइल, ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है।

नाइजीरिया में सैन्य कार्रवाई में 45 उग्रवादियों की मौत

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य कत्सिना में सेना और उग्रवादियों के बीच हुई भीषण झड़पों में 45 उग्रवादियों के मारे जाने की खबर है। यह घटना शुक्रवार को दानमुसा क्षेत्र में हुई। राज्य के आंतरिक सुरक्षा और गृह मामलों के आयुक्त, नासिर मुआजू ने एक बयान में बताया कि यह झड़प गुरुवार को उग्रवादियों द्वारा मवेशी चोरी की कोशिश के बाद हुई। जिसमें उग्रवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 45 उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया। नाइजीरिया देश के उत्तरी क्षेत्रों में विभिन्न सशस्त्र समूहों से जूझ रहा है। जिनमें बोको हराम और उसके गुट, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी), आईएस-लिंक्ड लकुरवा, और अपहरण, फिरौती और अवैध खनन में विशेषज्ञता रखने वाले अन्य डाकू समूह शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, नाइजीरिया में हजारों लोग इन संघर्षों में मारे जा चुके हैं।

केन्या में भारी बारिश और बाढ़ का कहर, 23 की मौत

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में रात भर हुई भारी बारिश के बाद बाढ़ से 23 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कुछ लोग बाढ़ में डूब गए और कुछ की करंट लगने से मौत हुई। सड़कों पर पानी भरने से सैकड़ों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और यातायात ठप हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात किया गया है। केन्या एयरवेज ने कई उड़ानें रद्द कर दीं या उनके मार्ग बदल दिए। रेड क्रॉस की टीमें फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटी हैं। बारिश के कारण घरों में पानी भर गया है और कई वाहन सड़कों पर पलट गए हैं।

इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड : केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लंदन में मिला सम्मान, छह प्रमुख हस्तियां भी सम्मानित

लंदन, एजेंसी। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को 2026 के प्रतिष्ठित 'इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन भारतीयों को दिया जाता है, जिन्होंने ब्रिटेन के संस्थानों में पढ़ाई की है और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड समारोह में सम्मानित अन्य हस्तियों में शेफ और लेखक करण गोकानी, नीति विशेषज्ञ राजेश तलवार, स्वास्थ्य क्षेत्र के उद्यमी डॉ. शुचिन बजाज, सलाहकार नीति पॉल, रोबोटिक सर्जन डॉ. अरुण प्रसाद और लेखक व सामाजिक कार्यकर्ता आदित्य तिवारी शामिल हैं। जयंत चौधरी ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से पढ़ाई की है। उन्हें सात 'आउटस्टैंडिंग अचीवर्स' में शामिल किया गया, जिनके नाम की घोषणा लंदन में नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन (निसाउ) के वार्षिक सम्मेलन में की गई। यह कार्यक्रम ब्रिटिश सरकार और शिक्षा क्षेत्र के साझेदारों के सहयोग से आयोजित हुआ।

नेपाल चुनाव में बड़ा उलटफेर, बालेन शाह ने पूर्व पीएम केपी ओली को हराया

काठमांडू, एजेंसी। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन को 68,348 मत मिले, जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 मत मिले। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) - (सीपीएन-यूएमएल) ने ओली को पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। नेपाल के झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आरएसपी नेता और रैपर से नेता बने बालेन शाह ने चार बार प्रधानमंत्री रह चुके के.पी. शर्मा ओली को लगभग 50,000 मतों के भारी अंतर से हराया। निर्वाचन आयोग ने यहां यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) के नेता और काठमांडू के पूर्व महापौर, जिन्हें लोकप्रिय रूप से केवल बालेन के नाम से जाना जाता है, अपनी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन को 68,348 मत मिले, जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 मत मिले। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) - (सीपीएन-यूएमएल) ने ओली को पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। नेपाल में पिछले साल हुए हिंसक 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शनों के बाद बृहस्पतिवार को पहला आम चुनाव हुआ, जिसमें हिमालयी देश में राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मांग की गई थी। बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) बड़ा बहुमत हासिल कर नेपाल की सत्ता पर काबिज़ होने जा रही है। शाह ने झापा-5 सीट पर ओली को चुनौती दी और अपने फैसले को सही साबित कर दिखाया। इस सीट पर कुल 1,06,372 वोट डाले गए। पूरे देश में आरएसपी के पक्ष में चल रही तेज लहर के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री दहल 10,240 मतों के साथ रुकुम पूर्व-1 सीट जीतने में सफल रहे हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, आरएसपी ने 60 से अधिक सीटों पर जीत हासिल कर ली है। दूसरी ओर, नेपाली कांग्रेस ने जहां सिर्फ नौ पर जीत हासिल की है। ओली की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) 3, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी 2 सीटें जीत चुकी हैं। इन आंकड़ों के आने के बाद शाह का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। जेनरेशन-जेड के आंदोलन से पहले नेपाल की सत्ता पर काबिज़ रही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को मौजूदा आम चुनाव में करारी शिकस्त मिली है। पार्टी के उपाध्यक्ष बिष्णु पौडेल, गोकर्ण बिस्टा, महासचिव शंकर पोखरेल, सचिव महेश बसनेत, भानुभक्त ढकाल और राजन भट्टराई को हार का सामना करना पड़ा है। नेपाल की संसद (प्रतिनिधि सभा) की कुल 275 सीटों के लिए पांच मार्च को मतदान संपन्न हुआ था। इनमें से 165 सीटों पर प्रत्यक्ष मतदान के जरिए और शेष 110 सीटों पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुनाव कराए गए। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2025 में हुए व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी छात्र आंदोलनों के बाद ओली सरकार गिर गई थी और संसद भंग कर दी गई थी। इसके बाद गठित अंतरिम सरकार की देखरेख में ये चुनाव संपन्न हुए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल के युवा मतदाताओं ने पारंपरिक नेतृत्व को नकारते हुए एक नए और आधुनिक राजनीतिक दृष्टिकोण को चुना है। शाह अगर सत्ता संभालते हैं तो न केवल नेपाल की आंतरिक राजनीति बल्कि भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी एक नए युग की शुरुआत हो सकती है।

35 वर्षीय बालेन शाह को 68,348 मत मिले जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734, वोटों से संतोष करना पड़ा। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) ने ओली को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया था। विगत वर्ष जेन-जी आंदोलन के कारण ओली को पद से इस्तीफा देना पड़ा था और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया था। 39 वर्षीय रवि लिमिछाने ने 2022 में आरएसपी का गठन किया था। बालेन जेन-जी की पसंद माने जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और एनसीपी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने रुकुम पुरबा जिले से 10,240 वोट हासिल करके जीत दर्ज की जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सीपीएन-(यूएमएल) के लीलामणि गौतम को 3,462 वोट मिले।

इमरान खान की पार्टी के 47 नेताओं-कार्यकर्ताओं को जेल

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 47 नेताओं और समर्थकों को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने इन सभी लोगों को मई 2023 में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और तोड़फोड़ के मामले में दोषी पाया। दरअसल, 9 मई 2023 को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे। कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गए थे और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया था। रावलपिंडी में प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने सेना मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश भी की थी। इस दौरान कई सरकारी इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया था।

प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्ति को पहुंचाया था नुकसान : इस मामले में पुलिस ने रावलपिंडी के आरए बाजार पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया था। आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने आगजनी, तोड़फोड़, पुलिस पर हमला और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। साथ ही सेना के संग्रहालय, हमजा कैंप और मेट्रो स्टेशन को भी नुकसान पहुंचाया गया था। सभी को जज ने पहले ही घोषित किया था अपराधी आतंकवाद निरोधक अदालत के

जज अमजद अली शाह ने इन 47 लोगों को अदालत में पेश न होने के कारण पहले ही घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। अदालत ने उन्हें अनुपस्थिति में ही दोषी ठहराते हुए 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 5 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया। अगर जुर्माना नहीं दिया गया तो अतिरिक्त जेल की सजा भी भुगतनी पड़ेगी। इसके अलावा दोषियों की चल और अचल संपत्ति जब्त करने का आदेश भी दिया गया है। पीटीआई के किन-किन नेताओं को मिली सजा सजा पाने वालों में पीटीआई के कई बड़े नेता शामिल हैं, जैसे उमर अयूब खान, शिबली फराज, शाहबाज गिल, जुल्फी बुखारी, मुराद सईद, जरताज गुल और हम्माद अजहर जैसे नाम शामिल हैं। अदालत के फैसले में कहा गया कि संयुक्त जांच दल (जेआईटी) की जांच में इन लोगों की भूमिका हिंसक प्रदर्शन की योजना बनाने में सामने आई थी। इसलिए इन्हें आतंकवाद निरोधक कानून के तहत दोषी माना गया। यह मामला 9 मई 2023 को हुए सेना मुख्यालय हमले से जुड़ा है। इस पूरे केस में कुल 118 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

कनाडा सरकार ने भारतीयों को दी खुशखबरी: हजारों प्रवासियों को मिलेगा स्थायी घर, पीआर प्रोग्राम का ऐलान

ओटावा, एजेंसी। कनाडा सरकार ने विदेशी कामगारों को स्थायी घर (पीआर) देने के लिए प्रोग्राम शुरू किया है। देश की इमिग्रेशन मिनिस्टर लीना मेटलेज डियाब ने इसका ऐलान किया है। इस प्रोग्राम का मकसद आगले दो साल में इन-डिमांड सेक्टर्स में 33,000 वर्कर्स को परमानेंट स्टेटस देना है। कनाडा में काम करने वाले और पढ़ाई करने वालों में भारतीयों की बड़ी संख्या है। ऐसे में इस प्रोग्राम का भारतीयों को खासतौर पर लाभ होगा। पीआर प्रोग्राम की घोषणा बीते साल नवंबर में की गई थी लेकिन इसकी डिटेल नहीं दी गई। डियाब ने कहा है कि सरकार अप्रैल में ज्यादा डिटेल दे पाएंगे। हाल के सरकारी डाटा से पता चला है कि 21 लाख टेम्परारी निवासियों के परमिट 2025 में खत्म हो रहे थे। 2026 में 19 लाख परमिट खत्म हो जाएंगे। इसने बिना डॉक्यूमेंट वाली आबादी में संभावित बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई है।

नॉन परमानेंट को कम करने की कोशिश : यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की कोशिश का हिस्सा है, ताकि 2027 तक कनाडा की आबादी में नॉन-परमानेंट निवासियों की हिस्सेदारी को पांच परसेंट से कम किया जा सके, जो 2025 के आखिर में 6.8 परसेंट थी। टेम्परारी माइग्रेंट को परमानेंट रेजिडेंट में बदलना इस लक्ष्य को पाने का एक अहम तरीका माना जा रहा है। डियाब ने कहा, 'अगर आप टेम्परारी स्टेटस पर कनाडा में हैं, चाहे वह विजिटर हो, स्टूडेंट हो या फिर वर्कर वीजा हो। किसी वजह से आप टाइम लिमिट से ज्यादा समय तक रहना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के लिए अप्लाई करें। आप एक्सटेंशन के लिए अप्लाई नहीं करते हैं तो हम उम्मीद करते हैं कि आप कमिटमेंट का सम्मान करेंगे और चले जाएंगे।'

कनाडा सरकार का बिल सी-12 इस समय चर्चा में है। यह इमिग्रेशन अधिकारियों को पब्लिक इंटरेस्ट में डॉक्यूमेंट और एप्लीकेशन्स को कैंसिल करने या सस्पेंड करने का अधिकार देगा। डियाब का कहना है कि सरकार का मकसद टेम्परारी रेजिडेंट की संख्या कम करना, परमानेंट रेजिडेंट एडमिशन को स्टेबल करना और एक इंटरनेशनल टैलेंट अट्रैक्शन स्ट्रैटेजी लागू करना है।

इजरायल ने लेबनान में खोदा कब्रिस्तान, 40 साल पहले खोए पायलट की तलाश

बेरूत , एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध के बीच इजरायल ने पूर्वी लेबनान के अंदर एक ऑपरेशन को अंजाम दिया है, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में हैं। ईरान के साथ-साथ लगातार लेबनान पर बम बरसा रहीं इजरायली सेना ने शुक्रवार की रात अपनी एक स्पेशल यूनिट के साथ एक स्थानीय कब्रिस्तान के ऊपर धावा बोल दिया। यूनिट का टारगेट था, 40 साल पहले लापता हुए इजरायली फाइटर पायलट रॉन अराद के अवशेषों को खोजना।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार की रात इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह लड़ाकों द्वारा किए गए कुछ प्रतिरोध के बावजूद इस मिशन को अंजाम दिया। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि उनका यह अभियान अराद के अवशेषों को ढूंढ़ने के लिए था। हालांकि, उन्हें अराद के

अवशेष नहीं मिले। सेना ने संकेत दिए कि वह अराद के अवशेषों की खोज लगातार करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली सेना का यह ऑपरेशन लेबनान की बेका घाटी के नबीशीत गांव में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजरायली कमांडो चार हेलीकॉप्टरों में सवार होकर कब्रिस्तान के बाहर उतरे और उन्होंने अंदर जाकर एक कब्र को खोदना शुरू कर दिया। कुछ देर तक लगातार वहां पर काम करने के बाद इजरायली सैनिक वहां से वापस लौट गए। एक स्थानीय रिपोर्टर के मुताबिक, लोगों का मानना है कि अराद की मौत के बाद उन्हें यहीं कहीं दफनाया गया है। इस घटना के 40 साल बाद भी इजरायल अपने फाइटर पायलट के शव की तलाश कर रहा है। इजरायली पायलट रॉन अराद 1986 में हिज्बुल्लाह के खिलाफ चलाए गए एक मिशन का हिस्सा थे। इस मिशन के दौरान ही उनके हेलीकॉप्टर को लेबनान के ऊपर मार गिराया गया। इसके बाद से रॉन लापता हो गए, इजरायल की तमाम कोशिशों के बाद भी उनका पता नहीं लगाया जा सका। स्थानीय लोगों के बीच में यह मान्यता है कि इस घटना के बाद ही रॉन की मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उन्हें बेका घाटी में ही दफन कर दिया गया, हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

40 साल के समय के बाद भी इजरायल लगातार अपने पायलट की या उसके अवशेषों की तलाश कर रहा है। इजरायली खुफिया एजेंसी ने इसके लिए कई अभियान भी चलाए हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, अराद के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पहले हिज्बुल्ला से जुड़े कुछ लोगों को भी इजरायली एजेंटों द्वारा हिरासत में लिया गया था। लेकिन इसके बाद भी कुछ हाथ नहीं लगा।

ईरान युद्ध के बीच चीन और सऊदी अरब में 5 अरब डॉलर की ड्रोन डील, पलक झपकते ही करता है हमला

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एविएशन कंपनी एवीआईसी ने सऊदी अरब के साथ ड्रोन निर्माण के लिए 5 अरब डॉलर की डील की है। इस डील के तहत चीनी कंपनी जेद्दा में विंग लूंग-3 यूएवी असेंबली लाइन लगाएगी, जिसमें हर साल 48 ड्रोन बनेंगे। चीन के विंग लूंग-3 अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) को सऊदी अरब ने ऑपरेशनल जांच के बाद चुना है। ये डील ऐसे समय हो रही है, जब ईरान युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में उथल-पुथल मची है। सऊदी अरब भी इस लड़ाई से सीधेतौर पर प्रभावित दिखा है।

क्लैशरिपोर्ट के मुताबिक, डील से पहले सऊदी अरब ने ऑपरेशनल जांच में इन ड्रोन की ताकत को परखा। लड़ाकू उड़ानों में इस्तेमाल होने वाले 200 से ज्यादा यूएवी ने तेजी से टारगेट पर निशाना साधा। इन ड्रोन ने 15 मिनट में 12 एयरक्राफ्ट ने तीन रडार स्टेशन और तीन आर्मर्ड गाड़ियों पर हमला किया।

पश्चिम एशिया में बेहतर काम करेगा ड्रोन : चीन के इस ड्रोन का इंटेलिजेंट रिकग्निशन सिस्टम 0.3 सेकंड में टारगेट को लॉक कर देता है यानी यह पलक झपकते ही हमला करता है। इसके पिछले मॉडल्स के मुकाबले एंटी-जैमिंग में 40 प्रतिशत सुधार हुआ है। इन ऑपरेशनल मेट्रिक्स ने सऊदी मिलिट्री के फैसले लेने वालों को डाटा पर भरोसा दिलाया, जो पश्चिमी सिस्टम पर पारंपरिक निर्भरता से ज्यादा था। यह यूएवी पश्चिम एशिया के हालात के लिए बनाया गया है। इसके इंजन में मल्टी-स्टेज डस्ट प्रोटेक्शन और बेहतर कूलिंग सिस्टम हैं, जो 50 डिग्री सेल्सियस तापमान और बड़े पैमाने पर रेत के तूफानों को झेल सकते हैं। रियाद डिफेंस एक्सपो में एल-15 ट्रेनर एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल करके नकली पहाड़ी उड़ानों सहित डेमोंस्ट्रेशन ने सिस्टम की मजबूती को दिखाया। इससे उनका चीनी इक्विपमेंट में भरोसा बढ़ा। सऊदी-चीन की 5 अरब की इस डील में जेद्दा में यूएवी असेंबली लाइन के अलावा एक मॉड्यूलर ट्रांसफर प्लान के तहत फ्लाइट कंट्रोल और एवियोनिक्स सिस्टम को इंटीग्रेट करना शामिल है। इससे सऊदी अरब को जीएएमआई स्ट्रैटेजी के अनुसार, 2030 तक 50% मिलिट्री इंडस्ट्रियल लोकलाइजेशन का अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। चीन इस डील में हार्डवेयर को लॉजिस्टिक्स, ट्रेनिंग और डिजिटल सिस्टम के साथ जोड़ती है। सऊदी अरब ने विंग लूंग-3 को अपनाकर यह संकेत दिया है कि चीनी यूएवी अब वेस्टर्न प्लेटफॉर्म के लिए हाई-एंड, लड़ाई में सक्षम विकल्प हैं। स्ट्रेटेजिक तौर पर ये ड्रोन 10,000 किमी रेंज, 40 घंटे तक चलने वाले और लाल सागर और फारस की खाड़ी पर लगातार निगरानी कवरेज देते हैं।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी के आवास पर बम हमले की कोशिश, हिरासत में दो लोग; स्थिति तनावपूर्ण

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास, ग्रेसी मेंशन के बाहर बम हमले का प्रयास किया गया। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग ने इस मामले में दो संदिग्धों की पहचान की है और उन्हें हिरासत में लिया है। यह घटना रमजान के पवित्र महीने के दौरान हुई, जब दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना के दौरान एक वीडियो में एक संदिग्ध को एक उपकरण दूसरे को सौंपते हुए दिखाया गया है, जिसके तुरंत बाद गिरफ्तारी हुई। पुलिस द्वारा बरामद किए गए उपकरण में एक जार था, जो काले टेप से लिपटा हुआ था और उसमें नट, बोल्ट, स्क्रू और एक फ्यूज भरा हुआ था। यह उपकरण फुटबॉल से थोड़ा छोटा बताया जा रहा है।

स्वतंत्र समाचार एजेंसी फ्रीडमन्यूज ने यह वीडियो साझा किया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब मेयर के आधिकारिक आवास के बाहर दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच झड़प हो गई थी। पुलिस ने इस दौरान कुल छह लोगों को हिरासत में लिया। बताया गया कि यह हिंसा उस समय भड़की जब दक्षिणपंथी प्रभावक जेक लैंग द्वारा आयोजित एक इस्लाम विरोधी प्रदर्शन का टकराव रमजान के दौरान आयोजित एक प्रदर्शन से हो गया। इस दौरान दो संदिग्ध उपकरणों को जलाकर

फेंका गया। पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने बताया कि ये उपकरण आकार में फुटबॉल से थोड़े छोटे थे और फिलहाल उनकी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे वास्तव में काम करने वाले विस्फोटक थे या सिर्फ डर फैलाने के लिए बनाए गए थे। पुलिस के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हवा में जाते समय उपकरण से आग और धुआं निकलता दिखाई दिया, जो एक बैरियर से टकराने के बाद पुलिस अधिकारियों से कुछ फीट दूर गिरकर बुझ गया। रिपोर्ट के अनुसार घटना की शुरुआत तब हुई जब इस्लाम विरोधी समूह के एक व्यक्ति ने काउंटर-प्रोटेस्ट करने वालों पर कथित तौर पर मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया। लगभग 20 मिनट बाद एक 18 वर्षीय प्रदर्शनकारी ने जलता हुआ उपकरण प्रदर्शन क्षेत्र की ओर फेंका, जो सड़क के क्रॉसवॉक पर गिरा। इसके बाद उसी व्यक्ति ने अपने 19 वर्षीय साथी से दूसरा उपकरण लिया और उसे भी जलाकर सड़क पर गिरा दिया, तभी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। ये दोनों उन छह लोगों में शामिल हैं, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा है।

ईरान की जंग में उतरेगा पाकिस्तान?: आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री के बीच हुई बड़ी बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब सीधे निशाने पर है। खाड़ी के इस देश के ऑयल फील्ड और एयरपोर्ट पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसी बीच रियाद में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान की अहम बैठक हुई।

बैठक में ईरान के हालिया हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। सऊदी रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बैठक संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत हुई और इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने पर जोर दिया।

सऊदी अरब के ऑयल फील्ड पर हमले : हाल के दिनों में ईरान ने सऊदी अरब के शायबा ऑयल फील्ड को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि छह ड्रोन को मार गिराया गया, जबकि दो बैलिस्टिक मिसाइलें प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास नष्ट की गईं। यह क्षेत्र यूएई की सीमा के पास स्थित है और पिछले हमलों के बाद अब ईरान सीधे इसमें शामिल हो रहा है।

क्या बढ़ेगी पश्चिम एशिया में जंग: ईरान और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका अहम हो गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने संसद में खुलासा करते हुए कहा कि हाल के दिनों में ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमलों में कमी या प्रतिक्रिया न देने के पीछे पाकिस्तान की कूटनीतिक पहल रही है। यह खुलासा पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना देता है।

पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का खुलासा : इशाक डार ने बताया कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ एक रणनीतिक रक्षा समझौता है। जब ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ा, तो पाकिस्तान ने तत्काल ईरान से संपर्क किया।

पाकिस्तान ने ईरान को इस रक्षा समझौते के बारे में आगाह किया और आश्वासन मांगा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान ने ईरान को यह आश्वासन भी प्रदान किया। इस कूटनीतिक प्रयास ने तत्काल टकराव को टालने में मदद की।

जंग फैलने की आशंका : अब तक चल रहे संघर्ष में खाड़ी देशों ने सीधे टकराव से खुद को दूर रखा था और अमेरिका ने भी इन देशों की जमीन का इस्तेमाल अपने हमलों के लिए नहीं किया था। हालांकि, अगर ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमले जारी रहते हैं और सऊदी अरब-पाकिस्तान रक्षा समझौता सक्रिय हो जाता है, तो स्थिति पूरी तरह से बदल सकती है। यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की ओर से ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। यह सीधे तौर पर दक्षिण एशिया में भी फैल जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के बीच एक लंबी सीमा लगती है।

बांग्लादेश: कोमिल्ला में मंदिर के पास विस्फोट, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका; तीन घायल : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कोमिल्ला शहर में कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मंदिर के पुजारी केशव चक्रवर्ती और स्थानीय निवासी अब्दुल बारेक शामिल हैं। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।कोमिल्ला पुलिस अधीक्षक मो. अनीसुज्जमान ने बताया कि पुजारी और दो अन्य, जिनमें एक राहगीर भी शामिल है, विस्फोटों में घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। कोटवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी मो. तौहीदुल अनवर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, हम मकसद की पुष्टि नहीं कर सकते या विस्फोटों के पीछे के लोगों की पहचान नहीं कर सकते।

भोजन में आवश्यक पौष्टिक तत्व

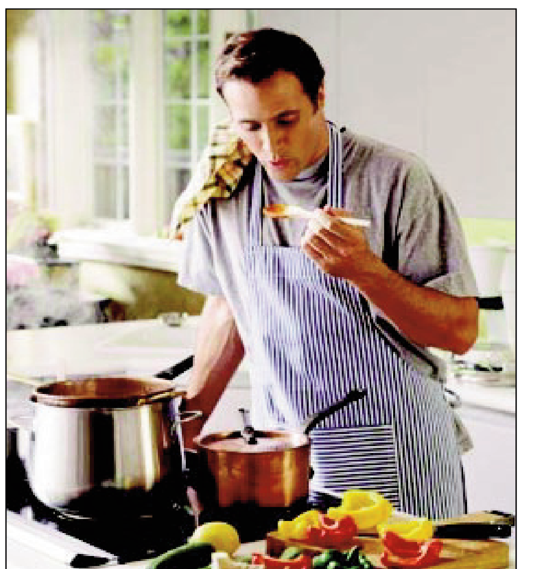

शरीर को स्वस्थ और निरोग रखने के लिए भोजन में पौष्टिक तत्वों का उचित समावेश होना चाहिए। क्या हैं ये पौष्टिक तत्व और इनका स्वास्थ्य में क्या योगदान, आइए जानें –

प्रोटीन

शारीरिक विकास, फुर्तीलेपन, उत्साह और शक्ति के लिए प्रोटीन आवश्यक है। यह शरीर में कोशिकाओं की क्षतिपूर्ति करता है। यह दालों, अनाजों, चना, मटर, दूध, छाछ, पनीर व क्रीम निकले दूध, फल और मेवों आदि में होता है।

वसा

शरीर में गर्मी और शक्ति के लिए वसा का सेवन आवश्यक है। दूध, दही, घी, क्रीम, मक्खन, तेल, काजू, अखरोट, बादाम व मूंगफली आदि में वसा बहुतायत मात्रा में वसा पाई जाती है।

खनिज लवण

खनिज शरीर में शक्ति बनाए रखते हैं , हड्डियों को मजबूत बनाते हैं व रोगों से शरीर की रक्षा करते हैं। ये ताजा साग-सब्जी,फल,गेहूं, चावल, दूध आदि में मिलते हैं।

कार्बोहाइड्रेट

शक्ति, गर्मी और शारीरिक विकास के लिए कार्बोहाइड्रेट की जरुरत होती है। यह गेहूं चावल, मक्का, ज्वार,बाजरा, गन्ना, खजूर, मीठे फलों आदि में विशेष रूप से पाया जाता है।

पानी

शरीर में पानी की मात्रा काफी होती है। नमी बनाए रखने, शरीर की सफाई करके गंदे पदार्थों को शरीर से निकालने में पानी मददगार होता है। पानी की उचित मात्रा से भोजन पचने और खून के दौरे को सुचारु बनाये रखने में मदद मिलती है और शरीर का तापमान भी सही रहता है।

कैल्शियम

दांतों, हड्डियों और बालों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम आवश्यक होता है। इससे रंग भी निखरता है और माहवारी संबंधी समस्याएं भी नियंत्रित होती हैं। हरी सब्जियों, दूध,दही, छाछ, पनीर आदि में यह बहुतायत से पाया जाता है।

लौह तत्व

लौह तत्वों की कमी से शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अभाव से खून शरीर के प्रत्येक हिस्से तक शुद्ध रक्त नहीं पहुंचा पाता है। यह हरी सब्जियों, अनाज, फल और सूखे मेवों में पाए जाते हैं।

विटामिन

शरीर को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए विटामिन जरुरी होते हैं। ये हरी सब्जियों, ताजे फल, चावल, गेहूं,दूध से बने पदार्थ, मक्खन, फल, अंकुरित चने,बींस आदि में पाए जाते हैं।

हेल्थ प्लस

अधिक या कम नींद से ह्रदय रोग

विशेषज्ञों के अनुसार पर्याप्त नींद लेना बहुत आवश्यक है। पर्याप्त नींद न लेने से व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। अब विशेषज्ञों ने अपने शोध के फलस्वरूप पाया है कि जिस तरह कम नींद लेना भी हानिकारक है। उसी प्रकार अधिक नींद लेना भी हानिकारक है। जो महिलाएं कम सोती हैं या बहुत अधिक सोती हैं उन्हें कोरोनरी हार्ट डिसीज होने की संभावना अधिक होती है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन आठ घंटे की नींग लेनी चाहिए और न ही कम।

जिन महिलाओं ने केवल 5 घंटे की नींद ली उन्हें आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की तुलना में ह्रदयाघात की संभावना 45 प्रतिशत अधिक पाई गई। जो महिलाएं 7 घंटे नींद लेती हैं उन्हें भी आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की अपेक्षा ह्रदयाघात की संभावना 9 प्रतिशत अधिक पाई गई। इसके विपरीत जिन महिलाओं ने 9 घंटे या उससे अधिक नींद ली उन्हें ह्रदय रोगों के होने की 38 प्रतिशत अधिक संभावना पाई गई।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिक सोने का संबंध स्लीप एपनिया से है जिसमें व्यक्ति को आवश्यक आक्सीजन न मिल पाने से भी ह्रदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है।

नमक के फायदे

भोजन को स्वाद देने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है नमक, लेकिन इसके अलावा भी नमक अनेक फायदे देता है। आम दिनचर्या में ही बार-बार नमक का उपयोग कई तरीकों से किया जाता है। आइये जानें:-

- गला खरा होने पर नमकीन पानी से गरारे करें।
- एक भाग नमक में दुगना भाग बेकिंग सोडा मिलाकर दांत साफ करने से दांत चमक उठते हैं।
- मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा और नमक की बराबर मात्रा पानी में मिलाकर कुल्ला करें।
- नहाने के बाद गीले शरीर पर सूखे नमक से हल्की मसाज करें। इससे शरीर की मृत त्वचा हट जाएगी। साथ ही रक्त संचार भी बेहतर हो जाएगा।
- पैरों से दर्द भगाने के लिए गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उसमें पैर डुबोकर बैठें।

खतरनाक तंबाकू

देश में गुटखा, खैनी, मैनपुरी, सिगरेट सेवन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग विभिन्न कारणों से सिगरेट, तंबाकू, गुटखा का सेवन करते है और शीघ्र ही इसके लती हो जाते है। अनुमान है कि तंबाकू परोक्ष, अपरोक्ष मौत का नम्बर एक कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है जिसके कारण ह्रदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, पक्षाघात, धमनियों के रोग, आंतों के रोग तथा अनेक अंगों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन से वृद्धावस्था कम उम्र में शुरू हो जाती है और तेजी से बदलाव होते है। औसत आयु कम होती है। धूम्रपान जहर सदृश्य है, इसका सेवन करने से होंठ, अंगुलियों पर निशान पड़ जाते है, जीभ काले रंग की हो जाती है, स्वाद की संवेदना कम हो जाती है। तंबाकू सेवन करने से दांत मसूड़े खराब हो जाते है। स्वाद संवेदना में कमी आती है। आमाशय में अल्सर हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी पीने वालों में धमनियों का व्यास कम होने से 'बरजर' रोग के कारण पैरों में असहनीय दर्द होता है और इनमें पैरों की अंगुलियां सड़ जाती है, पैर काटना पड़ सकता है।

धूम्रपान के कारण आंखों के आगे धुंधलापन हो जाता है। फेफड़ों के क्षतिग्रस्त होने से शारीरिक क्षमता कम हो सकती है। टीबी रोग का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। तंबाकू सेवन से मुंह, गले , स्वरतंत्र के कैंसर के अतिरिक्त, अग्न्याशय, गुदों, फेफड़ों, मूत्राशय के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन करने वालों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, जिससे संक्रमण रोग आसानी से हो सकते है। धूम्रपान से पुरूषों, महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होती है। तंबाकू से सेक्स क्षमता कमजोर होती है। धूम्रपान के स्वयं पर तो दुष्प्रभाव होते ही साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होता है, आसपास मौजूद व्यक्ति में भी दुष्प्रभाव हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी से आग लगने का खतरा भी रहता है। अनुमान है कि एक सिगरेट, बीड़ी पीने से आयु में ५ मिनट की कमी हो जाती है।

तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन स्वास्थ्य के लिए घातक है, अत: इसका सेवन न करें, यदि करते है तो आज ही संकल्प लेकर उसका परित्याग करें।

तंबाकू, सिगरेट सेवन छोड़ना मुश्किल है। इसको छोड़ नहीं पा रहे है, तो तंबाकू, नशा उन्मूलन केंद्र में या मनोरोग चिकित्सक से परामर्श लें।

मॉर्निंग को गुड बनाएं जॉगिंग से

शरीर को स्वस्थ और चुस्त रखने के लिए न जाने आज कितने ही तरीके मौजूद हैं। कई मशीनें, बैल्ट, दवाइयां, इंजैक्शन आदि न जाने क्या-क्या चीजें अपनाई जाती हैं लेकिन ऐसे में शरीर के स्वास्थ्य को बरकरार रखने के लिए सबसे अच्छा प्राकृतिक तरीका है व्यायाम और जॉगिंग। जॉगिंग करने से कैलोरी की सबसे ज्यादा और आसानी से खपत होती है लेकिन जॉगिंग करते वक्त कुछ चीजों का ख्याल रखना चाहिए :-

- जॉगिंग करने का सबसे बढ़िया समय होता है सुबह। सुबह की हवा शरीर को ज्यादा फायदा पहुंचाती है।
- इससे शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है और दिन भर शरीर में ताजगी बनी रहती हैं।
- देर तक सोने वाले लोगों में जल्दी उठने की आदत पड़ जाती है।
- जॉगिंग करने का सबसे अच्छा स्थल होता है पार्क या खुला मैदान जहां आसपास खूब सारे पेड़-पौधे आदि हों।
- सुबह सो कर उठने के बाद कुछ भी खाना नहीं चाहिए क्योंकि यह शरीर के लिए हितकर नहीं होता। उठने के बाद अपना मुंह धोएं और कम से कम आधा लीटर पानी पीएं। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकल जाती है।
- जॉगिंग शुरू करने से पहले अपने शरीर को वार्मअप कर लें जैसे स्किपिंग, उठा-बैठक, कुछ कसरत आदि।
- जॉगिंग पर जाते समय ढीले-ढाले कपड़े पहनें ताकि आपको जो पसीना आए वह आसानी से सूख सके व शरीर को भी आरामदायक महसूस हो।
- जॉगिंग करते वक्त बहुत तेज-तेज न भागें। आप चाहें तो थोड़ी देर धीरे-धीरे भाग सकते हैं या फिर तेज-तेज चलें।

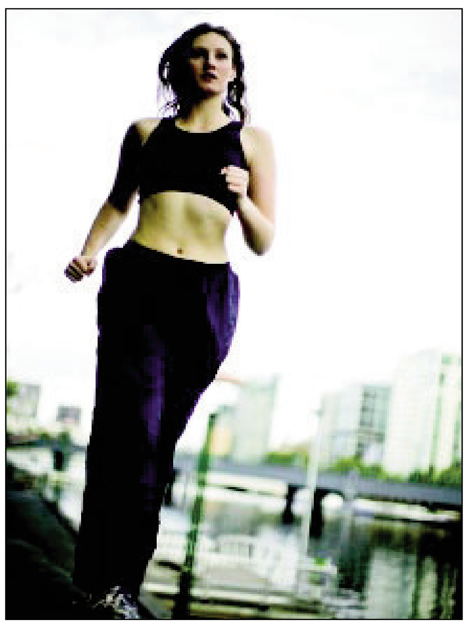

रक्तदान के फायदें

- हमारे शरीर में खून अस्थि मज्जा में बनता है और रक्तदान का सबसे बड़ा फायदा इसी अस्थि मज्जा का सक्रिय रहना है। यानी जिस दर से हमारा शरीर 18 साल की उम्र में खून बनाता है उसी दर से वह 50 साल की उम्र में भी खून बनाएगा।
- बारबार रक्तदान से व्यक्ति का कोलेस्ट्राल नियंत्रण में रहता है।
- सबसे ज्यादा फायदा ब्लड प्रेशर के मरीजों को है। हालांकि उन्हें डाक्टर की सलाह से ही रक्तदान करना चाहिए।
- जिस भी ब्लड बैंक में आप रक्तदान करेंगे वह आपको एक 'डोनर कार्ड' देगा जिस पर आपको अगले 1 साल तक जरूरत पड़ने पर रक्त मुफ्त दिया जाएगा।
- एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, पी ।डी ।आर ।एल। (सिफलिस) व मलेरिया की जांच मुफ्त हो जाएगी। इसके अलावा समाज कल्याण और खुद की संतुष्टि आपको खुश रखेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2014

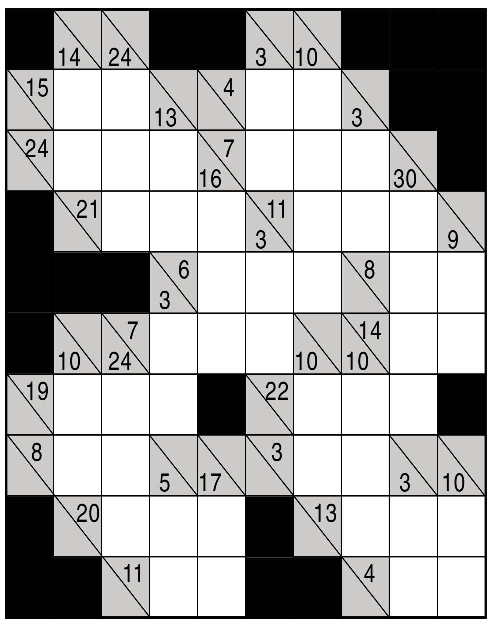

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

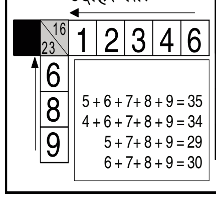

काकुरो - 2013 का हल

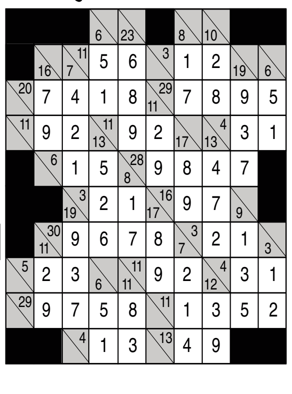

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2014

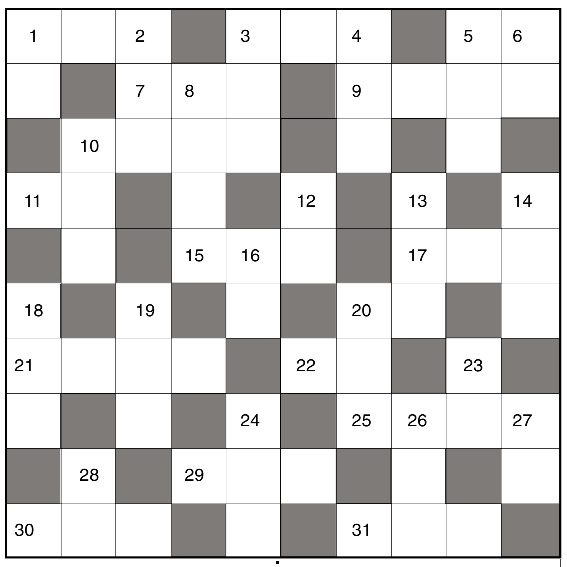

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2013

सूडोकु -2014

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2013 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2014

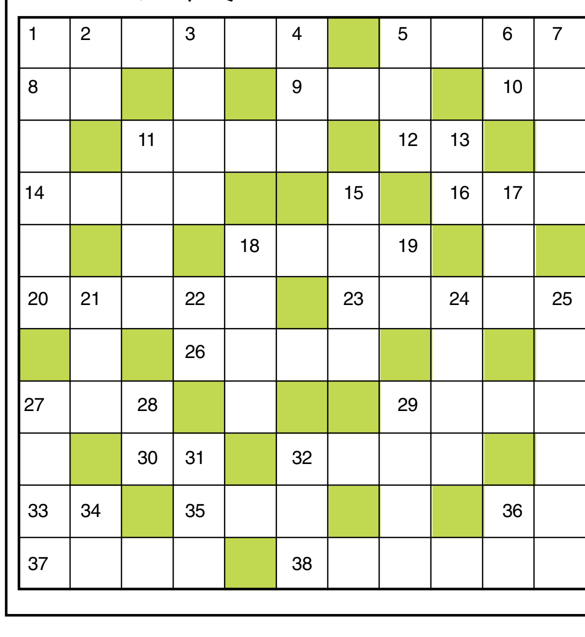

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली - 2013 का हल

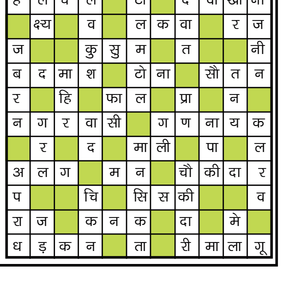

नीतीश कुमार को बिहार में ही रहना चाहिएः राबड़ी देवी

एजेंसी

पटना । बिहार में जारी राजनीतिक तनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ नई दिल्ली से पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर लालू प्रसाद ने मीडिया के सवालों का जवाब देने से परहेज किया। वहीं, राबड़ी देवी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए मांग की कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने रहें। राबड़ी देवी ने दावा किया कि भाजपा, नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजकर उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की साजिश कर रही है। इस कदम का मकसद भाजपा को बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा करने में मदद करना है। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल करने की खबरों के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है। इस घटनाक्रम से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं, जिससे इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि राज्य का अगला नेतृत्व कौन करेगा। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि यह घटनाक्रम बिहार में लीडरशिप स्ट्रक्चर को बदलने के लिए भाजपा की एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने भी नीतीश कुमार के राज्यसभा सीट मांगने के फैसले की आलोचना की।

तेलंगाना में 130 माओवादियों का सामूहिक आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच तब बड़ी सफलता मिली, जब 130 माओवादियों ने राज्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। यह सामूहिक आत्मसमर्पण हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में हुआ। तेलंगाना पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी नेता देवजी से जुड़ी पूरी कमेटी शामिल है। इस समूह में देवजी, बड़े चोक्का राव, नूने नरसिम्हा रेड्डी और मल्ला राजिरेड्डी जैसे प्रमुख नेता तथा उनके गनमैन भी शामिल हैं। इनके अलावा माओवादी संगठन के कंप्यूटर और सिग्नल ऑपरेटर भी सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट आए। इस सामूहिक आत्मसमर्पण में एक दिलचस्प तथ्य यह भी सामने आया कि तेलुगु फिल्म अभिनेता ककराला सत्यनारायण की बेटी माधवी भी आत्मसमर्पण करने वालों में शामिल थीं। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ माओवादी देवजी की पूरी पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी से जुड़े सदस्य भी इस समूह में शामिल हैं। इसी दौरान माओवादी नेता संतोष ने भी अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने सुरक्षा बलों को 31 एके-47 राइफल सहित बड़ी संख्या में हथियार सौंपे। इसके अलावा आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र की प्रमुख महिला कमांडर चलसानी नवाथा भी आत्मसमर्पण करने वालों में शामिल रही।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क के संपर्क में था इंजीनियरिंग छात्र, एटीएस की पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

मुंबई। जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार इंजीनियरिंग के छात्र ने महाराष्ट्र एटीएस की पूछताछ में कई अहम खुलासे किए हैं। महाराष्ट्र एटीएस ने बताया कि 21 वर्षीय कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र अयान यूसुफ शेख को कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर प्रसारित नफरत फैलाने वाले कंटेंट के जरिए गुमराह किया गया था, जिसका संबंध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद समूह से है। अयान शेख 9 मार्च तक एटीएस की हिरासत में है। एटीएस के अनुसार, शेख पिछले 6-7 महीनों से एन्क्रिप्टेड टेलीग्राम चैनलों में सक्रिय रूप से शामिल था, जिनमें कई देशों के लोग शामिल थे। इनमें कथित तौर पर फर्जी पहचान वाले कुछ पाकिस्तानी सदस्य भी शामिल थे। इन चैनलों के कुछ सदस्य पाकिस्तान स्थित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं, जिसके सदस्यों को कई फर्जी नामों का उपयोग करते हुए ऑनलाइन दुष्प्रचार फैलाने के लिए पहचाना गया है। समूह ने पहले भी वैश्विक स्तर पर मुस्लिम समुदायों को लक्षित करते हुए सामग्री प्रसारित की है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि अयान से जो कंटेंट मिले हैं, उनमें कश्मीर जैसे क्षेत्रों में राजनीतिक संघर्षों को दर्शाने वाले वीडियो, आतंकवादियों से संबंधित ऑडियो संदेश और भारत, म्यांमार, यूरोपीय देशों, अमेरिका और फिलिस्तीन सहित देशों में मुस्लिम समुदायों के कथित उत्पीड़न को उजागर करने वाली सामग्री शामिल थी।

राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका - सीएम भजनलाल शर्मा

चूरू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्रहित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। शर्मा चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देशप्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की।

सीएम भगवंत मान ने सिंगापुर में ट्रेनिंग के लिए स्कूल प्रिंसिपलों के बैच को हरी झंडी दिखाई

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिंगापुर में प्रिंसिपल एकेडमी में ट्रेनिंग के लिए 30 सरकारी स्कूल प्रिंसिपलों के 8वें बैच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षकों को ग्लोबल टीचिंग प्रैक्टिस से परिचित कराना और प्रदेश के पब्लिक एजुकेशन सिस्टम को और मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने केंद्र के पंजाब इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 का कड़ा विरोध करेगा। साथ ही, उन्होंने भाजपा की केंद्र सरकार, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के चीफ सुखबीर बादल पर निशाना साधा। सीएम मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'आज, पंजाब के सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपलों का एक और बैच ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर के

लिए रवाना हुआ। मैं इस मौके पर उनसे मिला, उन्हें शुभकामनाएं दीं और इस ट्रिप को सफल बनाने के लिए उनकी हिम्मत बढ़ाई।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारी सरकार का लक्ष्य यह पक्का करना है कि पंजाब के बच्चों को वर्ल्ड-क्लास, क्वालिटी एजुकेशन मिले। इसी विजन के साथ, हम अपने टीचर्स और प्रिंसिपलों को लगातार इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग के मौके दे रहे हैं, ताकि वे नए और मॉडर्न तरीके सीख सकें और पंजाब के एजुकेशन सिस्टम को और मजबूत कर सकें। हमारा लक्ष्य सिर्फ स्कूल बनाना नहीं है, बल्कि एक ऐसा एजुकेशन सिस्टम बनाना है जो पंजाब के हर बच्चे को बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने की ताकत दे।'

मीडिया से बात करते हुए सीएम मान ने कहा, 'सरकारी स्कूलों के हेड्स को वर्ल्ड-क्लास एक्सपीरियंस देने के लिए, 30 प्रिंसिपल्स का आठवां बैच 8 से 14 मार्च तक सिंगापुर में प्रिंसिपल एकेडमी में ट्रेनिंग के लिए जा रहा है। अब तक 234 प्रिंसिपल्स और एजुकेशन ऑफिसर्स वाले आठ बैच ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर भेजे जा चुके हैं।' उन्होंने कहा कि प्रोग्राम के लिए एक ट्रांसपेरेंट सिलेक्शन प्रोसेस अपनाया गया है, जिसके बाद डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर्स ने चुने गए प्रिंसिपल्स का वेरिफिकेशन किया।

राजस्थान में ड्रग्स का प्रकोप बढ़ रहा है युवा इससे दूर रहें-वसुन्धरा राजे

एजेंसी

जयपुर। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा है कि राजस्थानियों का प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ा पद है।उन्होंने कहा कि राजनीति में सब लोगों को पद चाहिए,काम अच्छा करो,पद आपके पास खुद चलकर आयेगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग्स का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।युवा इससे दूर रहें और इसे रोकने में सरकार का सहयोग करें। पूर्व सीएम ने कहा कि भारतीय मूल के गूगल सीईओ सुंदर पिचाई जैसे युवा मानव कैपिटल के श्रेष्ठ उदाहरण हो सकते है तो राजस्थान के युवा क्यों नहीं? राजस्थान के युवा भी दुनिया भर में नाम कमा सकते हैं,तो यहाँ रह रहे युवा क्यों नहीं राजे युवा शक्ति परिषद राजस्थान द्वारा आयोजित 'सशक्त युवा-सशक्त राष्ट्र' सम्मेलन में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें।युवा एआई और नई तकनीक क्वांटम कंप्युटिंग का सदुपयोग करें।इनमें जो आगे होगा,वही दुनिया का नेतृत्व करेगा।डिसीजन मेकिंग में युवाओं की सक्रिय भागेदारी होना चाहिए है।वे बोली स्वीडन,जापान और जर्मनी ने युवाओं में निवेश करके ही प्रगति की है।भारत भी युवाओं को आगे ला रहा है।युवा असंभव को संभव कर सकते है।आसमां छू सकते है।सितारे तोड़ सकते है।दुनिया बदल सकते है।युवा नौकरी करने वाले नहीं,नौकरी देने वाले बनें।विवेकानन्द जी भी यही कहते थे कि संसार की संपूर्ण शक्तियाँ अगर किसी में निहित है तो वह भारत के युवाओं के अंदर है।आज भारत में इनोवेशन,इन्क्यूबेशन और स्टॉर्टअप की नई धारा का नेतृत्व युवा ही तो कर रहें है।

भाजपाई जाएंगे तो महंगाई जाएगीः अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और भारी टैक्स का बोझ आम लोगों को परेशान कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब भाजपाई जाएंगे, तभी महंगाई भी जाएगी। राजधानी लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार एक तरफ लगातार टैक्स बढ़ा रही है, वहीं दूसरी तरफ महंगाई भी लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार कोई चीज महंगी हो जाती है तो बाद में उसके सस्ते होने की उम्मीद कम ही रहती है। उनके मुताबिक, गाड़ियों पर लगभग 50 प्रतिशत तक टैक्स लगाया जा रहा है, जिससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

इस दौरान पूर्व डीआईजी राम शरद राम समेत कई लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अखिलेश यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का पार्टी से जुड़ना इस बात का संकेत है कि जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर लगातार बढ़ रहा है। सपा प्रमुख ने कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कई मामलों में पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है। कानपुर में सामने आए एक मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों की कॉल डिटेल सामने आने पर तस्करों से उनके संबंध उजागर हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिसकर्मियों की कॉल डिटेल निकाली जा सकती है तो तस्करों की कॉल डिटेल क्यों नहीं निकाली जाती। अखिलेश यादव ने भाजपा पर राजनीतिक प्रचार के लिए गाने का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के उद्देश्य से एक गाना लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पार्टी एफआईआर दर्ज कराएगी और इससे यह भी साफ हो जाएगा कि कार्रवाई होती है या नहीं। अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने प्रदेश में कई बड़े विकास कार्य किए थे। एक्सप्रेसवे निर्माण, लैपटॉप वितरण, रिवरफ्रंट परियोजना, डायल-100 सेवा, एंबुलेंस व्यवस्था और कैंसर इंस्टीट्यूट जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट उसी समय शुरू हुए थे।

अखिलेश ने दावा किया कि प्रदेश में सबसे अधिक थर्मल पावर प्लांट भी सपा सरकार के दौरान लगाए गए थे। उन्?होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कई जगह वोट कटवाने की कोशिश की जा रही थी। सपा प्रमुख ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध न किया होता तो कई विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची से नाम हटाए जा सकते थे। विदेश नीति के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि रूस भारत का पुराना मित्र रहा है और अगर वहां से सस्ता तेल उपलब्ध हो रहा है तो भारत को उसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अखिलेश ने यह भी दावा किया कि आने वाले समय में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के गठजोड़ यानी पीडीए की सरकार बनेगी और समाजवादी पार्टी प्रदेश में मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरेगी।

खामेनेई शहादत रैलियों में गिरफ्तार महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें : महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर पुलिस से खास अपील की है। उन्होंने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत के बाद शांतिपूर्ण रैलियों में हिस्सा लेने वाली महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा किया जाए। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत के बाद शांति से रैलियों में हिस्सा लेने के लिए कश्मीर में महिलाओं समेत कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने उनके परिवारों को भरोसा दिलाया था कि उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा, लेकिन बदकिस्मती से ऐसा नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द उनकी रिहाई पर विचार करें।' यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत (यूएस-इजरायल हमलों में) के बाद कश्मीर घाटी में बड़े पैमाने पर शोक

सभाएं और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। 1 मार्च से शुरू हुए इन प्रदर्शनों में हजारों लोग, खासकर शिया समुदाय के लोग, सड़कों पर उतरे।

श्रीनगर के लाल चौक, बडगाम, बारामूला और अन्य इलाकों में रैलियां निकलीं, जहां अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारे लगाए गए और खामेनेई के पोस्टर लिए गए। कुछ जगहों पर ट्रंप और नेतन्याहू के पुतलों को जलाया गया।

महबूबा मुफ्ती ने पहले भी इस घटना की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि यह क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए कि ईरान पर हमलों की निंदा क्यों नहीं की गई। प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने कुछ जगहों पर हल्की कार्रवाई की, जिसमें आंसू गैस और लाठीचार्ज शामिल है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि शोक मनाने और एकजुटता दिखाने का अधिकार है। उन्होंने डीजीपी जम्मू-कश्मीर पुलिस से अपील की कि संवेदनशीलता के साथ स्थिति संभाली जाए और हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा किया जाए। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भावनाएं जाहिर करने वालों को अपराधी नहीं माना जाना चाहिए।

जॉन ब्रिटास ने बोला राहुल गांधी पर तीखा हमला, कहा- मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग करना ही उनका एजेंडा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। सीपीआई (एम) के सांसद जॉन ब्रिटास ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब भी वे केरल आते हैं, उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना। जॉन ब्रिटास ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियां विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई तो करती हैं लेकिन वे केरल के मुख्यमंत्री और उनके परिवार वालों पर एक्शन नहीं लेती हैं। राहुल गांधी का यही वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए सांसद जॉन ब्रिटास ने लिखा कि इंडिया गठबंधन के नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब भी केरल आते हैं, तो उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग

करना।उन्होंने आगे लिखा कि लेकिन वह साफ-साफ नहीं बताते कि आखिर मुख्यमंत्री ने ऐसा क्या किया है कि ईडी या सीबीआई को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। इसके बावजूद वे बार-बार पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करते हैं और वही पुराने, बेबुनियाद आरोप दोहराते हैं, जो अक्सर भाजपा के वामपंथ के खिलाफ लगाए जाने वाले आरोपों से मिलते-जुलते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी खुद कहते हैं कि नेशनल हेराल्ड केस जैसे मामलों में उनसे ईडी ने कई घंटों तक पूछताछ की, तो फिर उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? क्या इसके पीछे भाजपा नेतृत्व के साथ कोई गुप्त सांठगांठ है? साथ ही यह भी सवाल उठता है कि उनके जीजा से जुड़े मामलों का क्या हुआ, जिनसे जुड़ी कंपनियों ने भाजपा को चुनावी बॉन्ड के जरिए भारी चंदा दिया था। उसके बाद विवादित सौदों में उन्हें आसानी से क्लीन चिट मिल गई। जॉन ब्रिटास ने लिखा कि सब जानते हैं कि कांग्रेस और भाजपा ने मिलकर दिल्ली की कथित एक्साइज 'घोटाला' मामले को खड़ा किया, जिसके जरिए अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया गया। इसे एक राजनीतिक साजिश बताया जाता है, जिसका मकसद आम आदमी पार्टी को कमजोर करना और दिल्ली में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना था। उन्होंने आगे लिखा है कि अब सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के पास भाजपा के खिलाफ लड़ाई की बात करने का कोई नैतिक अधिकार बचा है, जब कांग्रेस के कई नेता खुद भाजपा को फायदा पहुंचाते नजर आते हैं? यह दोहरे मापदंड और राजनीतिक पाखंड का उदाहरण बताया जा रहा है। केरल इसका जवाब देगा।

बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कोई योजना नहींः नित्यानंद राय

एजेंसी

पटना । केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने स्पष्ट तौर पर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार और बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कोई योजना नहीं है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के सोशल नेटवर्किंग साइट पर लिखे एक पोस्ट को लेकर उन्होंने कहा कि पूर्णिया के सांसद लोगों को गुमराह करने के लिए इस तरह की अफवाह फैला रहे हैं, इसलिए मैं बताना चाहता हूं कि पप्पू यादव की बातें तथ्य से पूरी तरह परे हैं। नित्यानंद राय ने कहा कि पप्पू यादव की इस बात को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। लोगों को गुमराह करने की बात पप्पू यादव को ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने पूर्णिया के सांसद के सोशल नेटवर्किंग पोस्ट को भ्रामक बताते हुए कहा कि पप्पू यादव की बातों की कोई विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने एक बयान जारी कर साफ तौर पर कहा, 'बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कोई योजना नहीं है।' दरअसल, सांसद पप्पू यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, 'पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू कर बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित करा कर सीमांचल और मालदा, मुर्शिदाबाद, रायगंज, दिनाजपुर आदि जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का खेल भाजपा करने वाली है। नीतीश कुमार को हटाने और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल को राज्यपाल बनाकर लाने के पीछे का यह खेल है।'

झारखंडः जमशेदपुर में लगी आग, पांच बाइक जलकर राख

जमशेदपुर । झारखंड के जमशेदपुर से आगजनी की घटना सामने आई है, जहां साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत सीजीपीसी कार्यालय के समीप अचानक पांच बाइक जलकर स्वाहा हो गई। बाइक में आग कैसे लगी? फिलहाल इसके पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना को लेकर लोगों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि सीजीपीसी कार्यालय के समीप झाड़ियों में किसी ने सिगरेट पीकर फेंक दिया होगा और इसी कारण झाड़ियों में आग लग गई। उसी आग की चपेट में आकर पांच बाइक जल गई। बताया जाता है कि सभी बाइक सवार टाटा स्टील के ठेका कर्मी हैं और सीजीपीसी कार्यालय के समीप बाइक खड़ी कर कंपनी के अंदर ड्यूटी करने गए थे। इसी दौरान यह घटना घटी है। बाइक सवारों में शरत चंद्र महतो, सतीश कुमार, बी सुधाकर राव और राजेश कुमार के नाम शामिल हैं, जबकिं एक बाइक सवार का नाम पता नहीं चल सका है। अचानक हुई इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

बुंदेलखंड में पहली बार पर्यटन हितधारक सम्मेलन आयोजित, पर्यटन संभावनाओं पर शुरू हुआ मंथन

एजेंसी

झांसी। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश पर्यटन के सहयोग से 07 से 09 मार्च तक झांसी एवं आसपास के पर्यटन स्थलों में बुंदेलखंड पर्यटन हितधारक सम्मेलन तथा फेमिलराइजेशन (फैम) टूर का आयोजन किया गया है। सम्मेलन का आयोजन नटराज सरोवर पोर्टिको झांसी में बीते कल देरशाम शुरू हुआ, जिसमें लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।देर शाम शुरू हुए सम्मेलन में टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, टूर गाइड, होटल व्यवसायी, होमस्टे संचालक, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि तथा पर्यटन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश पर्यटन, राज्य पुरातत्व विभाग और झांसी संग्रहालय के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को उजागर करना और पर्यटन हितधारकों व सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना रहा।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। पर्यटन मंत्रालय के सहायक निदेशक संदीप शुक्ला ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पर्यटन विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डी.के. शर्मा ने क्षेत्रीय आर्थिक विकास में पर्यटन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

बुंदेलखंड ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिरुद्ध रावत ने बुंदेलखंड को प्रमुख पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान के विभागाध्यक्ष व डीन प्रो. देवेश निगम ने पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास और अकादमिक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त महानिदेशक एवं क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) अरुण श्रीवास्तव ने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और पहलों की जानकारी देते हुए पर्यटन को सतत और समावेशी बनाने पर जोर दिया। इस दौरान टूरिस्ट इंफॉर्मेशन ऑफिसर अवनीश कुमार ने मंत्रालय के NIDHI पोर्टल पर सेवा प्रदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया पर प्रस्तुति दी और हितधारकों को इसमें जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन टूरिस्ट इंफॉर्मेशन ऑफिसर संजय कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके बाद बी2बी नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन हितधारकों और अधिकारियों ने संभावित सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। सम्मेलन के अंतर्गत तीन दिवसीय फेम (FAM) टूर भी आयोजित किया गया, जिसके तहत प्रतिभागियों को झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और विरासत स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा, ताकि इन पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा सके। इस अवसर पर चंद्र सोनी, विक्रम सबरवाल, पवन पटेल सहित विभिन्न पर्यटन हितधारक और अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत और फिनलैंड के संबंधों में स्थायित्व का दौरः अलेक्जेंडर स्टब

एजेंसी

मुंबई। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत का अपना राजकीय दौरा पूरा किया और ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने उन्हें गर्मजोशी से विदा किया। राष्ट्रपति स्टब के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के भारत से जाने के साथ ही एक फायदेमंद दौरा खत्म हुआ। एयरपोर्ट पर ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।' विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत-फिनलैंड के संबंधों में यह एक अहम पल है क्योंकि यह संबंध 'डिजिटलाइजेशन और स्थायित्व में रणनीतिक साझेदारी' तक पहुंच गया है, जिससे दोनों देशों के संबंधों में काफी तेजी आएगी।'

इस सप्ताह अपने भारत दौरे के दौरान स्टब ने सहयोगपूर्ण, न्यायसंगत और प्रतिनिधित्वपूर्ण बहुपक्षीय विश्व व्यवस्था के निर्माण में भारत और ग्लोबल साउथ की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5जी व

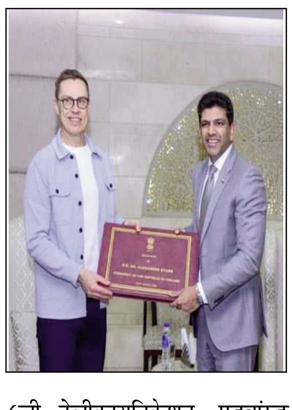

6जी टेलीकम्युनिकेशन, एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे खास टेक्नोलॉजी सेक्टर में सहयोग बढ़ेगा। स्टब के साथ बातचीत के दौरान, दोनों पक्ष रिसर्च में सहयोग को मजबूत करने और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर भी सहमत हुए। भारत के विज्ञान व तकनीक विभाग और फिनलैंड की नवाचार फंडिंग एजेंसी बिजनेस फिनलैंड के बीच जॉइंट रिसर्च कॉल्स रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्ट सिटीज, हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्र पर फोकस करेंगी।

इससे पहले 5 मार्च को नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में अपने संबोधन में स्टब ने कहा था कि शक्ति संतुलन बदल गया है और ग्लोबल साउथ के पास भौगोलिक और आर्थिक दोनों ताकतें हैं। उन्होंने कहा था, 'हम यहां एक ऐसे देश में हैं जो 7 फीसदी की ग्रोथ रेट दिखा रहा है, शायद 2047 तक। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन मेरा तर्क है कि पश्चिमी देशों के प्रभाव वाली दुनिया का युग खत्म हो गया है; यही लंबे समय से चली आ रही प्रक्रिया में व्यवधान है।

यह साफ है लेकिन पूरे पश्चिम में इसे समझने में कुछ समय लगेगा। अतीत हमें सबक दे सकता है, लेकिन यह हमें शायद ही कभी समाधान देता है। इसलिए, मुझे लगता है कि किसी भी विश्लेषण के लिए एक अच्छा स्टार्टिंग पॉइंट यह है कि दुनिया जैसी है, उसके साथ वैसा ही बर्ताव किया जाए, न कि ऐसी दुनिया के साथ जैसा हम चाहते हैं कि वह हो।' स्टब ने कहा कि दुनिया भर में हिंसा का इस्तेमाल विदेश नीति के हथियार के तौर पर किया जा रहा है। उन्होंने यूक्रेन, पश्चिम एशिया और सूडान में चल रहे संघर्ष के बारे में बात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूएई के राष्ट्रपति व कतर के अमीर के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया।

उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की यूरोप के बारे में पहले की बातों का समर्थन किया और कहा, 'मेरे पसंदीदा विदेश मंत्रियों में से एक डॉ. जयशंकर ने कहा है और मैं एक बार फिर कोट करता हूं, 'यूरोप को इस सोच से बाहर निकलना होगा कि यूरोप की समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन दुनिया की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं।' मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं जयशंकर। हमें यह समझने की जरूरत है कि मैंने जिन तीन उदाहरणों का जिक्र किया, यूक्रेन, मिडिल ईस्ट व सूडान और कई दूसरे युद्ध और झगड़े, ये सभी हमारी समस्याएं हैं।'

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराए जाने की आवश्यकता है : राजू बिष्ट

एजेंसी

कोलकाता। दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद राजू बिष्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें राज्य की वर्तमान स्थिति से अवगत कराएंगे। भाजपा सांसद सिलीगुड़ी के पास दार्जिलिंग जिले के गोसाईपुर में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संताल सम्मेलन के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इस सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय संताल परिषद की ओर से किया गया था और इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति को पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराते हुए विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराने की संभावना पर विचार करने का अनुरोध करेंगे। राजू बिष्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में धरने पर भी निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह धरना वास्तविक मतदाताओं के हितों की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि घुसपैठियों के हितों को बचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस बीच सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था पर हल्की नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि संताल समुदाय के कई लोग सम्मेलन कक्ष के बाहर घूम रहे थे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें अंदर आने से रोका जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन में संताल समुदाय के सभी लोगों की खुली भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।

अपने संबोधन में उन्होंने संताल समुदाय की वीरता की परंपरा का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि लगभग 240 वर्ष पहले उनके पूर्वज तिलका मांझी ने अत्याचार के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था। राष्ट्रपति ने कहा कि संताल समुदाय के लोग अन्याय को स्वीकार नहीं करते और अत्याचार के खिलाफ डटकर संघर्ष करते हैं। उन्होंने कहा कि संताल बहादुर लोगों का समुदाय है और उन्हें अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व होना चाहिए।

'यह तो बस शुरुआत है', हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भरी हुंकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जिंदगी में मुश्किलों का सामना करने से लेकर लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अपने सफर के बारे में बताया। पांड्या ने कहा कि अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी जीत उनके उस वादे का सबूत है जो उन्होंने खुद से किया था कि वे भारत के लिए ट्रॉफी जीतेंगे। उन्होंने 2024 वर्ल्ड कप में वापसी की, जबरदस्त वापसी की और 17 साल बाद जीत हासिल की।

हार्दिक पांड्या ने जियोस्टार पर कहा, 'जब हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो मैं पर्सनली बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा था। उस टूर्नामेंट से पहले बहुत कुछ हुआ था और चीजें मेरे हिसाब से नहीं हो रही थीं। 2024 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले, मैंने मन बना लिया था कि मैं वापसी करूंगा। मैं जबरदस्त वापसी करना चाहता था। मैंने ऐसा किया और अपनी टीम को 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने में मदद की। अहमदाबाद में इस टी20 वर्ल्ड कप जीत की बात करें तो, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा जीता रहा हूं। मैं अपने देश के लिए अच्छा करने और ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलता हूं। मैं भारत के लिए सभी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।'

पांड्या ने कहा, 'बारबाडोस में जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जो भी टूर्नामेंट खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा, और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जीत इस बात का सबूत है कि मैंने खुद से जो वादा किया था, वह सच हो गया है। और यह तो बस शुरुआत है।'

भारत ने मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड को 96 रन के बड़े अंतर से हराकर अपना टी20 वर्ल्ड कप खिताब बचाया। इस जीत के साथ भारत अपने घर में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, 2024 एडिशन जीतने के बाद लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम, और इसे तीन बार (2007, 2024, 2026) जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पंड्या की बात करें तो उन्होंने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 9 पारियों में 27.12 के औसत और 160.74 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। 32 साल के स्टार ऑलराउंडर ने भारत के लिए गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9 मैचों में 2/16 के बेस्ट फिगर के साथ कुल 9 विकेट लिए।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधु, भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, 'वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।' भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

–रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, ÷कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।,÷ गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।' 'कोच साहब' वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः 'बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।' इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है।साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं।इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है।गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है।मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है।गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया।साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं।साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है।साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं।उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है।साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी।कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया।वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं।उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते।.हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये।गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं।इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था।भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है।इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

28 मार्च से शुरु हो सकता है आईपीएल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र 28 मार्च से शुरू होने की संभावनाएं हैं ।वहीं इसका फाइनल 31 मई को खेला जाना तय हुआ है।आईपीएल में पहला मुकाबला परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी और पिछली उपविजेता पंजाब किंग्स के बीच होगा।ये मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत की तारीख तय हो गयी हैं पर लेकिन बीसीसीआई ने अभी तक इस 19 सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है।माना जा रहा है कि इसका कारण अप्रैल और मई में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।इस तीनों ही राज्यों में भी आईपीएल मैच स्थल हैं। आईपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी करनी होती है।इसी काण भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक मतदान तारीखों का इंतजार कर रहा है।इन तारीखों के सामने आने के बाद ही आईपीएल 2026 के पूरे कार्यक्रम को बोर्ड जारी करेगा।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है।अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे।ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ।बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं।सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी।वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी।इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है।वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे।चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये।एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके।सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये।ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।' मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, 'हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।'

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे । सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर ।भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है।उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है।एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं।भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले।जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ।8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं।शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं।वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं।अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है।वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता।कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए।अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं।इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड ।न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा।तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी।तहूहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है।उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी।उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा।साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है।ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है।उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है।उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहूहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवीसय मैच आईसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

सैमसन की बल्लेबाजी में नजर आती है कोहली और रोहित दोनो की खूबी : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने टी20 विश्वप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुंबले ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी बल्लेबाजी विराट और रोहित का मिला-जुला रुप है।

कुंबले के अनुसार सैमसन जरुरत के अनुसार कोहली की तरह एक छोर को संभाल सकता है और पावरप्ले में रोहित की तरह आक्रामक रुख अपना कर रन बटोर सकता है।, कुंबले ने सैमसन की बल्लेबाजी के रवैये को लेकर कहा कि कहा, अगर आप 2024 के पिछले विश्व कप को देखें, तो उसमें विराट और रोहित दोनो ही शामिल थे। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनकी जगह की कमी पूरी करना कठिन है। मुझे लगता है कि सैमसन एक तरह से कोहली और रोहित का मिला-जुला रुप हैं। जब कोहली की थोड़ी जरूरत होती है, तो वह योजना बनाते हैं और इस बात का प्रयास करते हैं कि आप विकेट न खोएं और फिर जब भी तेजी से रनों की जरूरत होती है पावरप्ले में रोहित की तरह गेंदबाजों का सामना करना चाहते हैं। सैमसन ने फाइनल में अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए केवल 7.1 ओवर में 98 रन बनाये। इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि मुझे तो ऐसा लगा कि मैं सैमसन की पिछली पारी को देख रहा हूं।

डुप्लेसिस ने कहा, ÷आप देख सकते हैं कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो फॉर्म में है और जिस तरह से खेलना चाहता है, उस पर पूरी तरह से अमल करने में सफल रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं पिछली पारी फिर से देख रहा हूं। यह बस गेम प्लान दिखा रहा है।÷

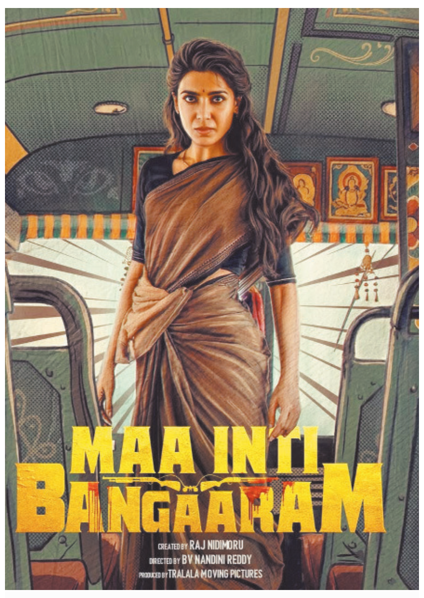

मई में दस्तक देगी सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम

अपनी शादी के बाद सामंथा रुथ प्रभु जल्द पर्दे पर वापसी को तैयार हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका टीजर बीते दिनों रिलीज हुआ था। अब एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया है।

सामंथा रुथ की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' इस साल मई में रिलीज होगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का नया पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ रिलीज डेट का खुलासा किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। सामंथा ने कैप्शन लिखा है, 'इस गर्मी में थिएटर में मिलते हैं। 'मां इंटि बंगाराम' दुनियाभर में बड़े स्तर पर रिलीज होगी'।

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है, जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के टीजर में दिखाया गया था कि एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।' टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी

पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

पिछले दिनों यामी गौतम ने कृति सेनन को ट्रोल करने वाली एक पोस्ट को लाइक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर बातें होने लगी हैं। यामी ने इस पूरे मामले पर अब अपना पक्ष रखा है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में 'तेरे इश्क में' के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को 'लाइक' किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।'

सिर्फ काम पर फोकस करती हैं यामी

वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।'

'धुरंधर 2' का हिस्सा होंगी यामी गौतम

पिछले साल यामी गौतम फिल्म 'हक' में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

शाहरुख का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

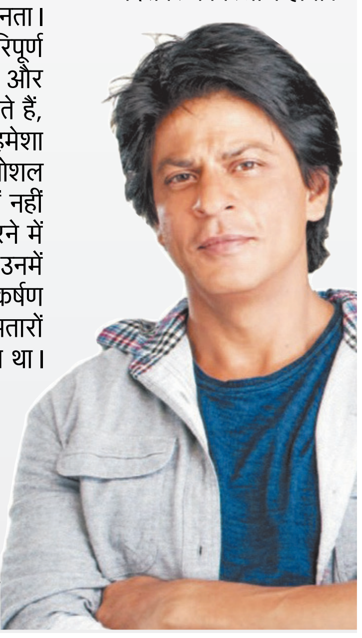

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और विजय

तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई। एक्टर विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक एक्ट्रेस से विजय का नाम जोड़ रहे हैं।

संगीता की तलाक की अर्जी में किसी एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं वह इशारा विजय और तृषा कृष्णन की ओर तो नहीं था। अब सोशल मीडिया पर इसी बात की चर्चा हो रही है कि क्या विजय और तृषा की कथित नजदीकियां ही उनके तलाक की वजह बनीं? कुछ लोग विजय को उनकी शादी में बेवफाई का दोष दे रहे हैं, तो कुछ सीधे तौर पर तृषा को इस अलगाव के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक्स पर इस मामले को लेकर कई तरह के पोस्ट वायरल हो रहे हैं।

साथ में कई फिल्में कर चुके हैं विजय और तृषा

विजय और तृषा की जोड़ी लंबे समय से तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रही है। 'घिल्ली'), 'थिरुपाची', 'आथि' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि 'कुरुवी' के बाद दोनों ने अचानक साथ काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कहा गया कि 'घिल्ली' के दौरान उनकी दोस्ती कुछ ज्यादा गहरी हो गई थी। यहां तक कि यह भी चर्चा रही कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा से दूरी बनाने की सलाह दी थी। हालांकि विजय और तृषा दोनों ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

राज शांडिल्य ने एकता कपूर के लीगल नोटिस को बताया बेबुनियाद

'भागम भाग 2' को लेकर निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच कानूनी विवाद पैदा हो गया है। इसके चलते फिल्म की शूटिंग टलने की खबरें हैं। अब निर्देशक ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है। साथ ही लीगल नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

सिर्फ डराने धमकाने का प्रयास

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है। रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है।

अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।'

फिल्म तय समय पर आगे बढ़ रही है

निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म 'भागम भाग 2' अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें।' इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई। निर्देशक ने अपनी तीसरी फिल्म 'सोनम बेवफा है' की स्क्रिप्ट पहले ही पूरी कर ली थी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस से हाल ही में मिले संचार से उन्हें लगा कि पूछताछ दखलंदाजी भरी और अविश्वासपूर्ण थी।

'भागम भाग 2' से गोविंदा की हुई छुट्टी

अक्षय कुमार और परेश रावल की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'भागम भाग 2' 2006 में रिलीज हुई 'भागम भाग' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार गोविंदा की फिल्म से छुट्टी हो गई है। उनकी जगह मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'भागम भाग' का निर्देशन जहां प्रियदर्शन ने किया था, वहीं 'भागम भाग 2' को राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के इसी साल के अंत तक रिलीज होने की संभावनाएं थीं।

शारीरिक फिटनेस से बढ़ती है गणित की समझ

गणित से कतराने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए एक अच्छी खबर है। शोधकर्ताओं का कहना है कि शारीरिक फिटनेस बच्चों को गणित समझने में सहायक होती है। व्यायाम करने वाले बच्चे गणित में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। शोध में पाया गया कि 9-10 साल के जो बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं, अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में गणित में उनका प्रदर्शन अच्छा होता है। ऐसे बच्चों में 'ग्रे मैटर' पतला हो जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ इलेनॉय की शोधकर्ता लौरा चडोक हेमैन ने बताया कि पहले के शोधों में पाया गया है कि 'ग्रे मैटर' के पतलेपन का सीधा संबंध तर्कशक्ति और सोचने की क्षमता से होता है। उन्होंने कहा कि पहली बार हम यह जानने में सफल हुए हैं कि व्यायाम इस प्रक्रिया में भूमिका निभाता है। शोध में 48 बच्चों को शामिल किया गया था।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

बच्चों को ऐसे सिखाएं हावभाव से भाषा

आमतौर पर माना जाता है कि बच्चों में जल्दी सीखने की क्षमता होती है। बच्चों के मानसिक विकास के लिए हम कई तरीके अपनाते हैं। एक अध्ययन के हिसाब से इन तरीकों में 'जेसचर्स' यानी स्वतः इशारे बच्चों को भाषा सीखनें में काफी मददगार हो सकते हैं। स्वतः यानी अपने आप होने वाले इन इशारों से बच्चों को स्पोकन लैंग्वेज और साइन लैंग्वेज़ को सीखने में आसानी होगी। बच्चे अपनी बात कहने के लिए स्वाभाविक इशारों से अपनी बात ज्यादा आत्मविश्वास से कह पाते हैं।

बच्चों की अभिव्यक्ति करें प्रभावी

यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो के साइकोलॉजी डिपार्टमेंट की प्रोफ़ेसर सुसैन गोल्डिन के मुताबिक हाथों के इशारों और शब्दों का संयोजन बच्चों को उनकी बात एक प्रवाह में कहने में मदद करता है। इस अध्ययन के नतीजों से पता चलता है कि बोलने से पहले बच्चों को अपने विचारों को समझने में आसानी होती है जिससे वे खुलकर अपने आप को व्यक्त कर पाते हैं। इस अध्ययन में सुसैन ने जांचा की इशारे किस तरह बच्चों में भाषा को सीखने में मदद करते हैं। उनके मुताबिक स्वतः इशारे भाषा को समझने का एक आसान तरीका है और कोई भी बातचीत करने के लिए उसका उपयोग कर सकता है। यही नहीं, जरूरत पड़ने पर कई मौकों पर ये इशारे ही खुद एक भाषा का रूप ले लेते हैं।

मां- बाप से सीखते हैं इशारे

इसके साथ ही प्रोफ़ेसर सुसैन ने स्पोकन लैंग्वेज पर भी शोध किया है। इस अध्ययन में उन्होंने ऐसे बच्चों का अध्ययन किया जो अपने पैरेंट्स के इशारों से सीखते हैं। सुसैन ने पाया कि बच्चे अपने मां-बाप के इशारों की आदत को जल्दी अपनाते हैं। ये बच्चों की प्रवाह में बोलने की क्षमता बढ़ाने जैसा ही है। इन इशारों में बच्चों को सीख मिलती है। ये उसी तरह से कारगर है जैसे शब्दों के साथ हाथों के इशारों का प्रयोग उन्हें बेहतर अभिव्यक्त करने में मदद करता है। घर के माहौल में अपने आप ही ये इशारे बच्चों की भाषा में आ जाते हैं। इससे बच्चों में अपने विचारों को आसानी से प्रकट करने की क्षमता बढ़ती है।

मूक-बधिर बच्चों के लिए वरदान

इस अध्ययन में आम बच्चों के अलावा प्रोफेसर सुसैन ने मूक-बधिर बच्चों की भाषा को भी समझा। इस केस में उन्होंने अध्ययन किया कि न सुन पाने वाले बच्चों में उनकी ये अक्षमता कैसे उन्हें बोलचाल की भाषा सीखने से रोकती है। साथ ही उन बच्चों पर भी जिनके मां-बाप ने किसी भी तरह से साइन लैंग्वेज को नहीं अपनाया। उन्होंने पाया कि ये बच्चे में घर में बने सिस्टम यानी कि 'होमोसाइन' का प्रयोग करते हैं। होमोसाइन, साइन लैंग्वेज को सिखाने की दिशा में पहला कदम है। कोई और साधन न होने की स्थिति में स्वतः इशारे बच्चों में खुद की भाषा बनाने के लिए भाषाई रूपों और कार्यों का एक कारगर तरीका साबित होता है।

मोबाइल पर बच्चों की सिक्योरिटी

हर समय बच्चों के हाथों में मोबाइल देखकर कई अभिभावक नाराज भी हो जाते हैं। लेकिन इस खबर को पढऩे के बाद वे खुद चाहेंगे कि उनके बच्चों के पास उनका मोबाइल 24&7 रहे।

बच्चे जब आंखों से दूर होते हैं तो आपको लगातार उनकी चिंता रहती है। आपकी इसी चिंता को दूर करती है बी सेफ मोबाइल एप्लिकेशन। ये एप्लिकेशन आपके बच्चे की सुरक्षा की हर जानकारी देती है। इस एप्लिकेशन को डिवेल्प करने वाली कोई बड़ी कंपनी नहीं है। ये एप्लिकेशन एक आम मां की सोच की उपज है जो अपनी बेटी की चिंता में अक्सर परेशान रहती थी। सिल्जी वैलेस्टेड नाम की महिला ने बी सेफ एप्लिकेशन के आइडिया को जन्म दिया है जिसके बाद मोबाइल के जरिये हर अभिभावक अपने बच्चे से लगातार जुड़े रह सकते हैं।

आइये जानते हैं कि बी सेफ किस तरह आपके बच्चों को मुसीबतों से दूर रख सकती है। इस एप्लिकेशन को मोबाइल पर डाउनलोड करने के बाद आपका पहला कदम होगा अपना एकाउंट खोलना। बी सेफ में एकाउंट खोलने की काफी आसान प्रक्रिया है। इसके लिए आपको सिर्फ अपना नाम, देश का नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल पता और पासवर्ड देना होता है। एक बार आपका एकाउंट खुल जाता है आप आसानी से उनके नाम अपने लिस्ट में जोड़ सकते हैं जिन्हें आप मुसीबत के समय मदद के लिए बुलाना चाहते हैं। इन नाम के चयन करते ही एक एसएमएस उन सभी लोगों के पास जाता है जिसमें बताया जाता है कि मुसीबत के समय उनकी क्या भूमिका होगी।

बी सेफ में सबसे अहम फीचर है इसका एसओएस बटन। ये फीचर खास तौर से जिंदगी के खतरे में पडऩे की हालत में एलर्ट जारी करने के लिए तैयार किया गया है। इस बटन को दबाते ही एक मेसेज अभिभावक के मोबाइल पर चला जाएगा जिसमें आपकी मौजूदा लोकेशन की जानकारी होगी।

बच्चों पर टेलीविजन का बढ़ता कुप्रभाव

मुकाबलों के बहाने नयी पीढ़ी को फिल्मी-ज्ञान के विशेषज्ञ बनाने की मूर्खतापूर्ण प्रवृत्ति आखिर हमें किस दिशा की तरफ ले जा रही है? अपने को अति माड प्रस्तुत करते हुए बेसिर-पैर का संचालन करते संचालक इन भोले-भाले बच्चों को भला क्या सिखाना चाहते हैं? भरमाने वाले चकाचौंध भरे विज्ञापनों और फिल्मी दुनिया के बाहरी आकर्षण ने उन्हें सच्चाई से कोसों दूर ले जाकर खड़ा कर दिया है। आज हर बच्चा विज्ञापन वाला बच्चा बनना चाहता है। उसे महसूस होता है कि अगर वह हारलिक्स या बार्नवीटा पी ले तो कक्षा में अव्वल आ सकता है, लाइफबाय से नहाकर वह साइकिल प्रतियोगिता में स्थान पा सकता है। दुःख तो इस बात का है, एक ओर विज्ञापन कंपनियां अपने लुभावने शब्दों के मकड़जाल से आम नागरिक को बेवकूफ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं तथा अपनी वस्तुओं की एक मात्र गारंटी के रूप में नारी को नग्न कर देने पर मानो तुली हुई है। बढ़ती हिंसा व अश्लीलता बढ़ती हिंसा और अश्लीलता का जो जहर वातावरण में घुल रहा है, उसकी पहुंच टीवी के माध्यम से घर-घर तक हो रही है और दर्शकों के (मुख्यतः बच्चों के) मन-मस्तिष्क दूषित हो रहे हैं। इससे कई दर्शकों का आचरण तो इस सीमा तक बिगड़ गया है कि वे क्रूर हिंसा व हत्या जैसे अपराध फिल्मों से प्रेरणा लेकर करते पाए गए हैं। अभी कुछ वर्ष पूर्व मद्रास उच्चतम न्यायालय द्वारा एक अपराधी शंकर को उसके द्वारा एक वेश्या सहित छह लोगों की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गयी। हत्या का विचार अपराधी शंकर में फिल्म देखकर आया। अगर यह समस्या केवल सिनेमा घरों तक ही रहती तो भी ठीक था, लेकिन केवल टीवी और प्रतियोगिता की दौड़ में विदेशी टीवी कार्यक्रमों से आगे निकलने को इच्छुक टीवी कृपा के कारण हिंसा और अश्लीलता से भरे फिल्मों के दृश्य घर-घर में पहुंच गए हैं और इस तरह हिंसा और अश्लीलता से भरे दृश्यों का जहर हमारे बच्चों, किशोरों व युवाओं को लगातार पंगु बना रहा है। जबरदस्त घुसपैठ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ये दृश्य बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क पर अत्यंत खराब प्रभाव छोड़ते हैं, जिससे वे जीवन पर्यन्त मुक्त नहीं हो सकते। उल्लेखनीय है कि मन के अलावा अंतर्मन यानी अवचेतन मन भी होता है, जिसे 'सबकांशस माइंड' कहते हैं। हमारे कार्य-कलाप, हमारी गतिविधियां मन के आदेश के अनुसार होती हैं और मन के विचार जो भी विचार सुनते हैं, जो दृश्य देखते हैं, वे तत्काल हमारे अंतर्मन में प्रवेश कर जाते हैं और बार-बार हमाने मन में उनका विचार आता रहता है। नवयुवक, बच्चों और किशोरों के मन कोरी स्लेट की तरफ साफ होते हैं। अबोध और भोले-भावुक मन पर जो प्रभाव पड़ता है, वह बहुत गहरा और लम्बे समय तक असर करने वाला होता है। इसमें कोई शक नहीं कि टीवी की बदौलत पीढ़ियों का अंतर दिनों-दिन गहराता चला जा रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और अब तो छोटा परिवार भी सुखी परिवार नहीं रहा। वहां टीवी की जबरदस्त घुसपैठ के भयंकर परिणाम देखने को मिलते हैं। सीमित सदस्यों वाले उच्चवर्गीय और उच्च मध्यवर्गीय ऐसे परिवारों की आज कमी नहीं, जहां हर सदस्य के लिये अलग टीवी सेट होता है। यानी टीवी देखते-देखते भी जो आपसी संवाद की थोड़ी-बहुत संभावना थी, वह भी खत्म। बच्चे अपनी मनमर्जी से किसी भी वक्त, कोई भी चैनल और किसी भी स्तर का कोई भी कार्यक्रम देख सकते हैं। यह सर्वविदित है कि बच्चों में असीम क्षमताएं होती हैं। यदि उनके मन को संस्कारों, स्नेह, स्वाभिमान और संस्कारों से सींचा जाए तो वे अपने नाजुक पंखों से बहुत ऊंची उड़ान भर सकते हैं। सिर्फ जरूरत होती है दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन की। ऐसे में यह चिंतन-मनन लाजिमी हो ही जाता है कि टेलीविजन बच्चों को क्या परोस रहा है? भारत की सांस्कृतिक धरोहर की, सौंदर्य संपन्नता की सराहना सारी दुनिया करती है। भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, भारतीयों की वेश-भूषा, शाकाहारी भोजन तथा सामाजिक जीवन के शालीन रख-रखाव से पश्चिम के लोग जहां प्रभावित होते हैं, वहीं हमारे संपन्न तथा मध्यमवर्ग पर यूरोप और अमेरिका के पाप संगीत, वेश-भूषा प्रतियोगिताओं, फास्टफूड और कैसिनों की खब्तसवार है।